वर्ष : 34 | अंक : 320 | मुंबई, सोमवार, 26 जनवरी 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर बोलीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

देश के बहुआयामी विकास को दिशा दे रहे युवा

एजेंसी | नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि गणतंत्र दिवस हमें अपने अतीत, वर्तमान और भविष्य पर आत्ममंथन का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता मिलने के बाद भारत अपनी राष्ट्रीय नियति का स्वयं निर्माता बना और 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने के साथ हमारा लोकतांत्रिक गणराज्य अस्तित्व में आया।

संविधान हमारे लोकतंत्र की नींव

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत का संविधान विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का आधार ग्रंथ है। न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता के आदर्श हमारे गणतंत्र की पहचान हैं। यही मूल्य देश की एकता और अखंडता को मजबूत करते हैं और संविधान निर्माताओं की भावना को प्रतिबिंबित करते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक भारत की सांस्कृतिक एकता हमारे पूर्वजों की विरासत है। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती जैसे राष्ट्रीय स्मरणोत्सव देश में एकता और राष्ट्रभाव को और मजबूत करते हैं।

वंदे मातरम् और राष्ट्रभाव

राष्ट्रपति ने बताया कि राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' की रचना के 150 वर्ष पूरे होने का उत्सव पूरे देश में मनाया जा रहा है। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत राष्ट्र-वंदना का प्रतीक है। सुब्रमण्य भारती और श्री अरबिंदो जैसे महान व्यक्तित्वों ने इसे विभिन्न भाषाओं में जन-जन तक पहुंचाया।

नेताजी से युवाओं को प्रेरणा

23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती 'पराक्रम दिवस' के रूप में मनाई गई। राष्ट्रपति ने कहा कि 'जय हिंद' का नारा आज भी युवाओं में राष्ट्रगौरव और साहस का संचार करता है। युवा देश के बहुआयामी विकास को दिशा दे रहे हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने महिलाओं की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि दस करोड़ से अधिक महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर विकास की नई इबारत लिख रही हैं। खेल जगत में भी भारतीय बेटियों ने

गणतंत्र दिवस परेड से पहले दिल्ली हाई अलर्ट, चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा व्यवस्था

नई दिल्ली। 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस परेड को लेकर राजधानी दिल्ली पूरी तरह हाई अलर्ट पर है। परेड की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और अब सिर्फ ऐतिहासिक दिन की सुबह का इंतजार है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दिल्ली के हर संवेदनशील इलाके में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। कर्तव्य पथ और आसपास के क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी तरह की चूक न हो। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, परेड रूट और कर्तव्य पथ पर करीब 4,000 ट्रैफिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं, जो समय के अनुसार यातायात को नियंत्रित करेंगे। इसके अलावा, लगभग 30,000 पुलिसकर्मी और 70 से अधिक अर्धसैनिक बलों की कंपनियां सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगी। परेड देखने आने वाले दर्शकों की सुविधा और सुरक्षा दोनों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। डीसीपी ट्रैफिक राजीव कुमार रावल ने बताया कि इस बार परेड देखने आने वालों के लिए तकनीक का बेहतर इस्तेमाल किया गया है। पार्किंग पास के पीछे दिए गए QR कोड को स्कैन करने पर मोबाइल पर ट्रैफिक रूट का एनीमेटेड वीडियो मिलेगा।

स्वार्थ छोड़ परमार्थ की तरफ जाने से बनेगा देश

अंग्रेजों और सामंतवादी व्यवस्था से आजादी के बाद 26 जनवरी को भारत को एक गणतंत्र के रूप में स्वीकार किया गया था। गण का तंत्र का अर्थ यह था कि जनता का शासन जनता के लिए। यह भी इसलिए कि इंसान समूह में रहता है, जिसके लिए कुछ नियम और कानून बनाए जाएंगे, ताकि मनुष्य जीवन बेहतर से बेहतरीन की तरफ बढ़ें। इंसान अपना जीवन प्रेम, भाईचारे और सुख के साथ बिताए। भारत आध्यात्मिक शांति से भरा, एक दूसरे के साथ सुख-दुःख मिल-बांट कर जीने वाले लोगों का देश रहा है।

अरुण लाल
arunlal.y@gmail.com

दायित्वनामा

पिछले दो दशकों से भारत में लोग उपभोक्तावाद की तरफ तेजी से भाग रहे हैं। हमेशा बाहर से ज्यादा भीतर के स्वास्थ्य पर ध्यान देने वाला देश मन को अकेला छोड़कर सुविधाओं के पीछे भाग रहा है...!

लोगों के पास जरूरत से बहुत ज्यादा होने के बावजूद उनकी सुविधाओं और धन की भूख मिट ही नहीं रही है। एक अंधी दौड़ चल रही है। विचार, मूल्य यह सब दिखाने भर के लिए चाहिए। ऐसे में सुविधाओं का तो अंबार लग गया है, पर यह इंसान को सुख नहीं दे पा रही है। इंसान बेचैनी से संसाधन जुटाने में जुटा है। जब उसे संसाधन सुखी नहीं कर पाते तो वह और संसाधनों के पीछे दौड़ता नजर आ रहा है, इस चाह में कि ज्यादा संसाधन उसे और उसके परिवार को सुखी कर देंगे। पर ऐसा कभी न हुआ है न होने वाला है।

स्वार्थ और आरामतलबी इंसान को भीतर से खोखला बना देती है। भारत की सामाजिक संरचना सदैव सामूहिकता पर आधारित रही है। यहां व्यक्ति की पहचान उसके योगदान से होती थी, केवल उसके उपभोग से नहीं। गांवों में श्रम को पूजा माना गया, "कर्म" को जीवन का आधार बताया गया। इसके विपरीत, जब व्यक्ति केवल अपने लाभ और अपने आराम तक सीमित हो जाता है, तब उसका दृष्टिकोण संकीर्ण हो जाता है और वह समाज से कटने लगता है। ऐसा व्यक्ति न राष्ट्र निर्माण में सहभागी बन पाता है और न ही इतिहास में कोई सार्थक स्थान बना पाता है।

भारतवर्ष मूलतः श्रम, साधना और संकल्प का देश रहा है। हम ऐसे देश रहे हैं, जहां भिक्षुक भी 5 घर से ज्यादा नहीं मांगता रहा, इन 5 घरों में जो मिल गया, उसी से उस दिन गुजारा होना था। यहां की सभ्यता जंगलों, नदियों और खेतों से निकली है, जहां जीवन का आधार परिश्रम रहा, न कि सुविधा। ऋषियों की तपस्या हो या किसानों की मेहनत, कारीगरों का कौशल हो या स्वतंत्रता सेनानियों का त्याग—भारत का इतिहास कभी आरामतलबी और स्वार्थ का इतिहास नहीं रहा। यह देश मेहनत करने वालों का है और उसी के बल पर उसने सहस्राब्दियों तक अपनी पहचान बनाए रखी है। इसलिए आज जब हम आधुनिकता के नाम पर सुविधा और स्वार्थ को जीवन का लक्ष्य बनाने लगते हैं, तब यह जरूरी हो जाता है कि हम अपने इतिहास को याद रखें और पश्चिमी सुविधाभोगी जीवनशैली की अंधी नकल से स्वयं को बचाएं। यह देश तब बनेगा जब भारतीय एक बार फिर स्वार्थ से परमार्थ की ओर बढ़ेगा।

वी.एस. अच्युतानंदन को पद्म विभूषण, शिबू सोरेन को पद्म भूषण

देश के 131 नायकों को पद्म पुरस्कार का ऐलान

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने पद्म पुरस्कार 2026 के लिए चुने गए सम्मानित व्यक्तियों की आधिकारिक सूची जारी कर दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय (MHA) के अनुसार, राष्ट्रपति ने इस वर्ष कुल 131 पद्म पुरस्कारों को मंजूरी दी है। कला, साहित्य, चिकित्सा, विज्ञान, खेल, सामाजिक सेवा और सार्वजनिक जीवन सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों को इस प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान से नवाजा जाएगा।

पद्म विभूषण, भूषण और श्री का वितरण

इस वर्ष पद्म विभूषण के लिए 5, पद्म भूषण के लिए 13 और पद्म श्री के लिए 113 लोगों का चयन किया गया है। पद्म विभूषण असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए, पद्म भूषण उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए और पद्म श्री किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए प्रदान किया जाता है। सूची में देश-विदेश के सम्मानित व्यक्तियों को शामिल किया गया है, जिनमें कई मरणोपरांत पुरस्कार भी हैं।

वीएस अच्युतानंदन को मरणोपरांत मिला सम्मान

केरल के वरिष्ठ नेता वी. एस. अच्युतानंदन को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया जाएगा, जबकि झारखंड आंदोलन के प्रमुख चेहरा रहे शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्म भूषण प्रदान किया गया है। दोनों नेताओं का योगदान सार्वजनिक जीवन और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में ऐतिहासिक माना जाता है।

कला, खेल और उद्योग जगत की हस्तियां शामिल

पद्म भूषण पाने वालों में प्रसिद्ध गायिका अलका याज्ञनिक, अभिनेता ममूटी, उद्योगपति उदय कोटक, विज्ञापन जगत के दिग्गज पियूष पांडे (मरणोपरांत) और टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज शामिल हैं। वहीं पद्म श्री सूची में कई 'अनसंग हीरोज' के साथ-साथ खेल और मनोरंजन जगत की नामचीन हस्तियां भी शामिल हैं, जिनमें हरमनप्रीत कौर, रोहित शर्मा, सविता पुनिया और सतीश शाह (मरणोपरांत) जैसे नाम प्रमुख हैं।

विविधता और समावेश का प्रतीक सूची

इस वर्ष की पद्म श्री सूची में 19 महिलाएं, 6 विदेशी नागरिक और 16 मरणोपरांत सम्मान शामिल हैं। यह सूची न केवल विविध क्षेत्रों में योगदान को दर्शाती है, बल्कि उन गुमनाम नायकों को भी पहचान देती है, जिन्होंने जमीनी स्तर पर समाज को दिशा दी है। पद्म पुरस्कार 2026 की यह घोषणा देश के उन व्यक्तित्वों के प्रति सम्मान है, जिन्होंने अपने कार्य से भारत की पहचान को मजबूत किया और समाज पर स्थायी प्रभाव छोड़ा।

अभिषेक शर्मा के तूफान में उड़ा न्यूजीलैंड

भारत ने तीसरा टी20 8 विकेट से जीता और सीरीज अपने नाम की

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत-न्यूजीलैंड के बीच 5 मैचों की सीरीज का तीसरा टी20 रविवार को गुवाहाटी के बारासापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड के 154 रनों के लक्ष्य का 10 ओवर में ही सफलतापूर्वक पीछा कर 8 विकेट से जीत हासिल की और सीरीज भी अपने नाम कर ली।

भारतीय बल्लेबाजी का जलवा

154 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की शुरुआत खराब रही। संजू सैमसन पहले ही ओवर में बोल्ड हो गए। मैट हेनरी ने उनका विकेट लिया। इसके बाद ईशान किशन ने 28 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली, जिसमें 3 चौके और 2 छक्के शामिल थे। किशन चौथे ओवर में आउट हुए, लेकिन टीम का स्कोर 50 के पार जा चुका था।

पाक आतंकी शहजाद भट्टी का मुख्य सहयोगी गिरफ्तार

चंडीगढ़। पाकिस्तान-आधारित आतंकी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी), एसएएस नगर ने पाकिस्तान-आधारित आतंकी शहज़ाद भट्टी के मुख्य सहयोगी को .30 बोर पिस्तौल सहित गिरफ्तार किया है।

यह जानकारी रविवार को पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रमन कुमार उर्फ़ गोलू, निवासी गंग्याल, जम्मू के रूप में हुई है। रमन कुमार उर्फ़ गोलू को अंबाला पुलिस ने करीब एक सप्ताह पहले अंबाला थाने में हुए धमाके के मामले में गिरफ्तार किया था।

बांग्लादेश का कपड़ा उद्योग संकट में

ढाका। बांग्लादेश की टेक्सटाइल इंडस्ट्री (वस्त्र उद्योग) गंभीर संकट का सामना कर रही है। घरेलू स्पिनिंग मिलर्स ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार जनवरी के अंत तक यार्न (धागे) के ड्यूटी-फ्री आयात की सुविधा बहाल नहीं करती, तो 1 फरवरी से देशभर की स्पिनिंग यूनिट्स का उत्पादन बंद कर दिया जाएगा। पिछले 3-4 महीनों में गैस संकट के चलते बांग्लादेश के कपड़ा उद्योग को लगभग 2 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। गैस की कमी, अनियमित आपूर्ति और बढ़ी कीमतों के कारण कई स्पिनिंग मिलों की उत्पादन क्षमता 50 प्रतिशत तक घट गई है। वाणिज्य मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजस्व बोर्ड (NBR) को सुझाव दिया कि बॉन्डेड वेयरहाउस सिस्टम के तहत इम्पोर्टेड यार्न पर ड्यूटी-फ्री सुविधा न दी जाए। इसके चलते घरेलू उद्योग भारी वित्तीय संकट में फंस गया है।

सूचना

हमारे सभी पाठकों और शुभचिंतकों को सूचित किया जाता है कि 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर हमारा ऑफिस बंद रहेगा, इसलिए 27 जनवरी 2026 का अंक प्रकाशित नहीं किया जाएगा।

– संपादक

'जयचंदों के 2026 बैच में आपका स्वागत है' : शकील अहमद

एजेंसी | नई दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद शकील अहमद ने हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला किया और उन्हें भारतीय राजनीति का 'सबसे डरपोक और असुरक्षित नेता' करार दिया। शकील ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में वे शशि थरूर को वोट देना चाहते थे, लेकिन मजबूरी में मल्लिकार्जुन खरगे को समर्थन देना पड़ा। इस बयान पर कांग्रेस नेता और लोकसभा सांसद मणिकम टैगोर ने राहुल गांधी का बचाव करते हुए शकील अहमद और उनके समर्थकों को 'विश्वासघाती' करार दिया। टैगोर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए कहा 'जब साहस सबसे कठिन राह पर चलता है, तब विश्वासघात कैसे खुलकर सामने आता है, यह बस दुखद है।' उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस को इस समय एकता की सबसे अधिक आवश्यकता है, लेकिन शकील अहमद और राशिद अल्वी जैसे लोग इस मुश्किल समय में नेता पर हमला कर रहे हैं।

'नए आकाओं को खुश करने के लिए बयान'

मणिकम टैगोर ने शकील के बयान पर निशाना साधते हुए कहा कि ये हमले विचारधारा या चिंता पर आधारित नहीं हैं, बल्कि टीवी पर दिखने और नए आकाओं को खुश करने के लिए हैं। उन्होंने तीखा तंज करते हुए कहा 'जयचंदों के 2026 बैच में आपका स्वागत है।' उन्होंने आगे कहा कि कुछ ऐसे लोग इस समूह में शामिल हैं जो मोदी सरकार में मंत्री हैं, कुछ सांसद हैं और कुछ दल बदलकर आए बेरोजगार हैं।

राहुल गांधी की उपलब्धियों का ज़िक्र

टैगोर ने राहुल गांधी की राजनीतिक यात्रा और प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा और अन्य अभियानों के जरिए राहुल गांधी ने देश में नफरत को प्रेम से चुनौती दी और 2024 के चुनाव में 240 सीटों के साथ कांग्रेस की मजबूती को साबित किया। मणिकम टैगोर ने कहा कि जनता सच्चाई जानती है और इतिहास यह याद रखेगा कि कौन देश के लिए संघर्ष किया और कौन सत्ता तक रेंगकर पहुंचा। उन्होंने यह भी कहा कि शकील अहमद और उनके जैसे लोग मल्लिकार्जुन खरगे का भी अपमान कर रहे हैं, जो कांग्रेस के लोकतांत्रिक और दलित नेतृत्व का प्रतीक हैं।

ठाणे में 16वां नेशनल वोटर्स डे उत्साह के साथ मनाया गया

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

लोकतंत्र की नींव मजबूत करने और मतदाताओं में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ठाणे जिला प्रशासन ने आज '16वां नेशनल वोटर्स डे' बड़े जोश के साथ मनाया। इस वर्ष का मुख्य संदेश था 'मेरा भारत, मेरा वोट, मैं भारत हूँ', जो मतदान के महत्व को दर्शाता है। कार्यक्रम जिलाधिकारी कार्यालय में जिला चुनाव अधिकारी और जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी हरिश्चंद्र पाटिल, निवासी उप जिलाधिकारी डॉ. संदीप माने, उप जिलाधिकारी (चुनाव) वैशाली माने, उप जिलाधिकारी (सामान्य प्रशासन) रूपाली भालके, उप जिलाधिकारी (भूमि अर्जन) सरजेराव मस्के-पाटिल, उप जिलाधिकारी (रोह्यो) शशिकांत गायकवाड़, उप जिलाधिकारी (मेट्रो सेंटर) वरुणकुमार सहारे, ठाणे प्रांतीय मजिस्ट्रेट उर्मिला पाटिल, तहसीलदार सचिन चौधर, अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। साथ ही चुनाव राजदूत नीता केने (किन्नर अस्मिता), अपांग विकास महासंघ के अध्यक्ष अशोक भोईर और ठाणे नागरिक फाउंडेशन के अध्यक्ष कैसबर ऑगस्टीन ने भी भाग लिया।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर शपथ

कार्यक्रम में जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल के नेतृत्व में उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और नागरिकों ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर मतदाता शपथ ली। इस शपथ में वोटर बनने, अपने मतदान अधिकार का उपयोग करने और लोकतंत्र को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता जताई गई।

लोकतंत्र में मतदाता का सर्वोच्च स्थान

जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'भारतीय संविधान ने हमें वोट देने का अत्यंत महत्वपूर्ण अधिकार दिया है। ठाणे जिला राज्य में सबसे अधिक मतदाताओं वाला जिला है और प्रत्येक योग्य मतदाता को अपना पंजीकरण कराना और मतदान करना आवश्यक है। युवाओं को विशेष रूप से एसआर (मतदाता सत्यापन) कार्यक्रम में शामिल होकर अपना नाम पंजीकृत कराना चाहिए।'उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय लोकतंत्र पूरी दुनिया के सामने एक मजबूत और आदर्श लोकतंत्र है। 'भारत में कोई सर्वोच्च नहीं है, केवल लोकतंत्र सर्वोच्च है।' उन्होंने कलाकारों और समाजसेवी संस्थाओं के माध्यम से जागरूकता फैलाने के महत्व पर भी जोर दिया। इस तरह, ठाणे में 16वां नेशनल वोटर्स डे न केवल उत्सव का प्रतीक बना, बल्कि नागरिकों को अपने मतदान अधिकार का सही उपयोग करने और लोकतंत्र को सशक्त बनाने की प्रेरणा भी दी।

मीरा भाईंदर में पालतू पशुओं के लिए तैयार हो रहा विशेष उद्यान

विनय दूबे | भाईंदर

मीरा भाईंदर शहर में मीरा रोड स्थित मेट्रो उड़ानपुल के नीचे पालतू पशुओं के लिए पहला विशेष उद्यान बनाने का कार्य अंतिम चरण में है। एमबीएमसी आयुक्त राधाबिनोद शर्मा ने हाल ही में चार विभिन्न स्थानों पर चल रहे उद्यान निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को निर्माण की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शहरवासियों को मिलेगा लाभ

मनपा प्रशासन की इस पहल से शहरवासियों को अपने पालतू जानवरों के साथ खुला और सुरक्षित वातावरण मिलेगा। साथ ही, लेज़र पार्क नागरिकों के मनोरंजन का नया आकर्षक स्थल बनकर उभरेगा। यह कदम शहर के सार्वजनिक स्थानों को सुरक्षित, व्यवस्थित और योजनाबद्ध तरीके से विकसित करने की दिशा में अहम साबित होगा। यह उद्यान निर्माण कार्य 31 मार्च और 31 अप्रैल तक पूर्ण होने की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे मीरा भाईंदर में पालतू पशुओं और नागरिकों के लिए एक नया आदर्श स्थल तैयार होगा।

उद्देश्य और विशेषताएं

कार्यकारी अभियंता नितिन मुकणे के अनुसार, इन उद्यानों का उद्देश्य पालतू पशुओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना और उनके लिए सुरक्षित, स्वच्छ स्थान प्रदान करना है। उद्यानों में पीने का पानी, दौड़ने के लिए सुरक्षित स्थान और स्वच्छता की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

चार उद्यानों का निर्माण, विभिन्न उद्देश्य

इस पहल के अंतर्गत चार उद्यानों का निर्माण किया जा रहा है :सिल्वर पार्क सिग्नल के सामने : पालतू कुत्तों के लिए सुरक्षित खेल और दौड़ने का विशेष क्षेत्र।
टाटा मोटर्स के सामने : आकर्षक रंग-बिरंगी लाइटों से सुसज्जित लेज़र पार्क, जो नागरिकों के मनोरंजन का नया केंद्र बनेगा। शिवार उद्यान के समीप **मैकडॉनल्ड्स के सामने :** वरिष्ठ नागरिकों के लिए उद्यान।
एस.के. स्टोन के सामने : बच्चों के लिए विशेष उद्यान।
चारों उद्यानों का आकार लगभग 175x15 मीटर है। एमबीएमसी ने मेट्रो निर्माण सामग्री के कारण बाधित कार्य को तेज करने के लिए एमएमआरडीए के ठेकेदार को नोटिस जारी किया और सामग्रियों को हटाने का निर्देश दिया है।

हर गांव और हर बस्ती के विकास के लिए प्रतिबद्ध हूं: स्नेहा दुबे-पंडित

• वसई की विधायक ने किया सड़क विकास कार्य का भूमिपूजन

डीबीडी संवाददाता | वसई

वसई के स्थानीय नागरिकों की लंबे समय से चली आ रही मांग को देखते हुए वसई की विधायक स्नेहा दुबे-पंडित ने वसई विधानसभा में अर्नाला किला प्रवासी जेट्टी परिसर में रविवार को जरूरी सड़क विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस बड़े भूमिपूजन से अर्नाला इलाके में विकास की प्रक्रिया में और तेजी आई है और वहां के लोगों ने खुशी और संतोष जताया है।इस मौके पर विधायक स्नेहा दुबे-पंडित ने कहा कि वसई विधानसभा के हर गांव और हर बस्ती के पूर्ण विकास के लिए मैं प्रतिबद्ध हूं। अर्नाला इलाके के लोगों की बुनियादी सुविधाओं के लिए फंड की कमी नहीं होने दी जाएगी। हम सड़क, पानी, बिजली, हेल्थ और एजुकेशन जैसे सभी मामलों में अच्छी सुविधाएं

देने की लगातार कोशिश करेंगे। इस अवसर पर महाराष्ट्र मेरीटाइम बोर्ड के डेप्युटी इंजीनियर सुनील भांगरे, एक्जिक्यूटिव इंजिनियर पाटोले, पोर्ट इन्स्पेक्टर नवनीत निजाई, पूर्व जिला अध्यक्ष व अर्नाला ग्रामपंचायत सदस्य महेंद्र पाटील, विजय मेहेर, अजय मेहेर, जिला उपाध्यक्ष कपिल म्हात्रे, मयुर नाईक, भूपेश राऊत, देवदत्त मेहेर, रुषल म्हात्रे, अनिल राऊत सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ठाणे में 6 से 9 फरवरी तक होगा विहंग संस्कृति कला महोत्सव 2026

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे करेंगे भव्य उद्घाटन

प्रताप सरनाईक फाउंडेशन की ओर से ठाणे में विहंग संस्कृति कला महोत्सव 2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह महोत्सव भारतीय सांस्कृतिक परंपरा, भक्ति और लोक कला की समृद्ध विरासत को जनता के सामने पेश करने का प्रयास है। 'वारी' थीम पर आधारित यह चार दिवसीय महोत्सव 6 से 9 फरवरी 2026 तक उपवन तालाब परिसर में होगा। महोत्सव राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। इसमें देश-विदेश के 600 से अधिक कलाकार भाग लेंगे और करीब 6 लाख दर्शकों के इस आयोजन में शामिल होने की संभावना है। मंत्री सरनाईक ने कहा कि महोत्सव 6 फरवरी की शाम से शुरू होगा।

महोत्सव में दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण होंगे

6 फरवरी: पंडित आनंद भाटे का 'आनंदवारी' प्रदर्शन,7 फरवरी: आनंद और आदर्श शिंदे का सिंदेशाही सिंगिंग,8 फरवरी: मशहूर सिंगर शान का सदाबहार संगीत प्रदर्शन,9 फरवरी: कवि और अभिनेता शैलेश लोढ़ा का कवि सम्मेलन,दिव्यांग बच्चों का भरतनाट्यम डांस, जो गिनीज़ बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स में शामिल है,इसके अलावा, बच्चों के लिए हैंडिक्राफ्ट, स्कल्पचर, लाइब्रेरी समेत 100 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे।

उद्घाटन और विशेष आमंत्रण

महोत्सव का उद्घाटन डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर कई राज्य मंत्री और जानी-मानी हस्तियां उपस्थित रहेंगी। शिवसेना (शिंदे) या युवा सेना के कार्यकारी अध्यक्ष पूर्वेश सरनाईक ने सभी नागरिकों से इस महोत्सव में शामिल होने और इसे सफल बनाने का आवाहन किया है। यह महोत्सव ठाणे में भारतीय संस्कृति, लोक कला और संगीत प्रेमियों के लिए एक अनोखा और भव्य अनुभव साबित होने जा रहा है।

डीआरआई ने महाराष्ट्र के सातारा में मारा छापा

6 हजार करोड़ की ड्रग्स जब्त

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस डिपार्टमेंट (डीआरआई) की एक टीम ने महाराष्ट्र के सातारा जिले में रविवार को छापा मारकर 6 हजार करोड़ रुपए का मादक पदार्थ जब्त किया है। हालांकि इस छापे की कार्रवाई बेहद गोपनीय रखी गई। अभी तक इस संबंध में डीआरआई की ओर से अधिकृत जानकारी नहीं दी गई है।
स्थानीय सूत्रों ने बताया कि आज सुबह ही पुणे डीआरआई की टीम सातारा जिले की कराड तहसील के पाचपुतेवाड़ी में पहुंची और एक पतरे के शेड में छापा मारा। इस टीम में तीन आईपीएस अधिकारी मौजूद थे। इस छापे की खबर सातारा पुलिस अधीक्षक अथवा स्थानीय पुलिस को भी नहीं दी गई थी। डीआरआई की टीम ने इस शेड में भारी मात्रा में एमडी ड्रग जब्त किया है, जो मुंबई सहित कई शहरों में सप्लाई किया जाने वाला था। इस जगह पर छापेमारी के बाद डीआरआई ने शेड को सील कर दिया है।
अब तक की जानकारी के अनुसार यह शेड महाराष्ट्र केसरी संजय पाटिल मर्डर केस के मुख्य आरोपित बाबा मोरे का है और उसे हिरासत में लिया गया है। डीआरआई की टीम इस मामले गहन छानबीन कर रही है। मुंबई पुलिस ने छापे की कोई भी जानकारी सातारा पुलिस को नहीं दी है। उल्लेखनीय है कि दिसंबर में मुंबई पुलिस ने सातारा जिले के सावरी गांव में छापेमारी कर पैमाने पर ड्रग्स जब्त की थी और इसमें सात आरोपितों को गिरफ्तार किया था।

ठाणे में गुमशुदा विशेष बच्चे को पुलिस ने परिजनों से मिलाया

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे पुलिस आयुक्तालय की क्राइम ब्रांच के अंतर्गत चाइल्ड प्रोटेक्शन यूनिट (CPU) ने 'ऑपरेशन स्माइल' के तहत एक गुमशुदा मानसिक रूप से दिव्यांग (मेंटली रिटार्डेड) बच्चे को खोजकर सुरक्षित रूप से उसके माता-पिता को सौंप दिया। यह कार्रवाई पुलिस की सतर्कता और मानवीय पहल का अहम उदाहरण मानी जा रही है। पुलिस के अनुसार, 19 दिसंबर 2025 को करीब 17 वर्षीय यह बच्चा रेलवे प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर बिना अभिभावकों के मिला था। सुरक्षा के मद्देनज़र उसे तत्काल चिल्ड्रन होम में भर्ती कराया गया। 9 जनवरी 2026 को पुलिस कांस्टेबल तानाजी गायकवाड़ ने चिल्ड्रन होम जाकर बच्चे से जानकारी जुटाने का प्रयास किया।

सोशल मीडिया से मिली सफलता

इसके बाद पुलिस ने बच्चे की फोटो और विवरण स्थानीय मस्जिदों के मौलवियों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्कूलों के व्हाट्सऐप ग्रुप्स और सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किया। इसी प्रयास के चलते 23 जनवरी 2026 को बच्चे की मां मोहिबोनिसा ने CPU ठाणे से संपर्क किया। ज़रूरी दस्तावेज़ों के आधार पर बच्चे की पहचान मोहम्मद इमरान आलमगीर के रूप में हुई। वीडियो कॉल के दौरान बच्चे ने भी अपनी मां की पहचान की पुष्टि की। इसके बाद सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कर बच्चे को चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (CWC), मुंबई के समक्ष डेविड ससून चिल्ड्रन्स होम, माटुंगा में पेश किया गया।

सीमित जानकारी से शुरू हुई तलाश

बच्चा मानसिक रूप से दिव्यांग होने के कारण स्पष्ट रूप से बोल पाने में असमर्थ था, लेकिन उसने पिता का नाम 'आलमगीर', नमाज़ से जुड़ी पहचान और मुंब्रा क्षेत्र का संकेत दिया। इसके आधार पर CPU टीम ने मुंब्रा और शील-दाईघर पुलिस स्टेशनों में जांच की, हालांकि वहां कोई गुमशुदगी की शिकायत दर्ज नहीं मिली।

कानूनी प्रक्रिया के बाद परिजनों को सौंपा

CWC के आदेशानुसार बच्चे को सुरक्षित रूप से उसके माता-पिता की कस्टडी में सौंप दिया गया। यह पूरी कार्रवाई पुलिस कमिश्नर ठाणे शहर आशुतोष डुंबरे, एडिशनल पुलिस कमिश्नर (क्राइम) डॉ. पंजाबराव उगले और डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (क्राइम) अमरसिंह जाधव के मार्गदर्शन में की गई। ठाणे पुलिस आयुक्तालय के जनसंपर्क अधिकारी विनीत ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई गुमशुदा या लावारिस बच्चा मिले, तो तत्काल नजदीकी पुलिस स्टेशन से संपर्क करें या चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर सूचना दें।

ऐतिहासिक 'टर्नटेबल लैडर' का गणतंत्र दिवस पर अनावरण

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई फायर ब्रिगेड की ऐतिहासिक विरासत रही 1937 में बनी 'टर्नटेबल लैडर' फायर इंजन को पूरी तरह से पुनर्स्थापित कर लिया गया है। बीएमसी और उद्योगपति गौतम सिंघानिया के सहयोग से इस दुर्लभ और ऐतिहासिक वाहन को नया जीवन मिला है। इसका औपचारिक अनावरण महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर बीएमसी मुख्यालय में करेंगे।
इस अवसर पर मनपा आयुक्त भूषण गगरानी, अतिरिक्त मनपा आयुक्त (शहर) डॉ. अश्विनी

जोशी और उद्योगपति गौतम सिंघानिया सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। यह फायर इंजन इंग्लैंड की लेलैंड कंपनी द्वारा वर्ष 1937 में बनाया गया था और 24 सितंबर 1941 को मुंबई फायर ब्रिगेड के बेड़े में शामिल किया गया था।
14 अप्रैल 1944 को मुंबई डॉक में खड़े कार्गो शिप 'एस.एस. फोर्ट स्टिकिन' में लगी भीषण आग के दौरान इस 'टर्नटेबल लैडर' ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ऊंचे गोदामों तक पहुंचकर आग बुझाने, फंसे लोगों को बचाने और घायलों को सुरक्षित निकालने में इस वाहन का व्यापक उपयोग किया गया था। समय के साथ खराब हो चुकी इस गाड़ी को भायखला स्थित फायर ब्रिगेड मुख्यालय में स्मारक के रूप में रखा गया था। इसके ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए आधुनिक तकनीक और पुराने तकनीकी रिकॉर्ड के आधार पर इसका रेस्टोरेशन किया गया। अब यह ऐतिहासिक फायर इंजन एक बार फिर मुंबई की विरासत के रूप में सड़कों पर लौटने को तैयार है।

महिलाओं की सुरक्षित यात्रा हेतु 'पिंक रेवोल्यूशन' वाहन रैली 1 फरवरी को

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

महिलाओं में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उनके स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के उद्देश्य से क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ), ठाणे की ओर से 'पिंक रेवोल्यूशन महिला वाहन रैली' का आयोजन किया जा रहा है। यह विशेष रैली शनिवार, 1 फरवरी को सुबह 7 बजे आरटीओ नंबर-2 कार्यालय परिसर, लुईसवाड़ी से रवाना होगी। इस रैली का प्रमुख उद्देश्य सड़क सुरक्षा, ट्रैफिक नियमों के सख्त पालन, महिलाओं के लिए सुरक्षित यात्रा तथा सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाना है। महिला सशक्तिकरण का संदेश देने वाली

यह पहल समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। यह रैली क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी हेमांगिनी पाटिल के मार्गदर्शन में आयोजित की जा रही है।
आरटीओ ने कार, स्कूटी, दोपहिया, ऑटो रिक्शा और बाइक चलाने वाली सभी महिला चालकों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में इस रैली में भाग लें। रैली में शामिल होने के लिए प्री-रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है, जो Townscript लिंक के माध्यम से किया जा सकता है।
ठाणे आरटीओ के अधिकारी रोहित काटकर ने बताया कि महिलाओं के लिए सुरक्षित यात्रा और सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता फैलाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि 'पिंक रेवोल्यूशन – महिला वाहन रैली' के माध्यम से महिलाओं को न केवल ट्रैफिक नियमों की अहमियत समझाई जाएगी, बल्कि सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के प्रति भी जागरूक किया जाएगा। यह पहल महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ वाहन चलाने और सुरक्षा का संदेश समाज तक पहुंचाने के लिए प्रेरित करेगी।

सीएम फडणवीस ने गुरु तेग बहादुर साहिब जी के बलिदान को याद किया

नांदेड़ में 350वें शहीदी स्मरणोत्सव का आयोजन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को नांदेड़ के मोदी मैदान में आयोजित 'हिंद-दी-चादर' श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी स्मरणोत्सव में शिरकत की और गुरु साहिब जी के बलिदान को याद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु तेग बहादुर साहिब जी का बलिदान सिर्फ सिख धर्म के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश की संस्कृति, सभ्यता और इंसानी मूल्यों की रक्षा के लिए था।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि गुरु साहिब जी का बलिदान हमें सच्चाई, धर्म और इंसानी मूल्यों की रक्षा के लिए निडर होकर खड़े होने की प्रेरणा देता है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने गुरु साहिब जी के विचारों को लोगों तक पहुँचाने का निर्णय लिया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से न केवल इतिहास को याद किया जा रहा है, बल्कि इसे हर गांव, महल और बस्ती तक पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है।

सामाजिक और धार्मिक एकजुटता का संदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आयोजन के ज़रिए सभी समुदायों को एक साथ लाने और मतभेद मिटाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने संत नामदेव महाराज और श्री गुरु गोबिंद सिंह महाराज के योगदान का भी स्मरण किया, जिनके विचार और इतिहास महाराष्ट्र में वारकरी परंपरा और सिख समुदाय के बीच गहरे संबंध स्थापित करते हैं। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री कोनिडला पवन कल्याण, राज्य के मंत्री गिरीश महाजन, पंकजा मुंडे, बाबासाहेब पाटिल, विभागीय आयुक्त जितेंद्र पापलकर, विशेष पुलिस उपमहानिरीक्षक शहाजी उमाप, जिलाधिकारी राहुल कर्डिले, पुलिस अधीक्षक अविनाश कुमार और गुरुद्वारा बोर्ड के प्रशासक डॉ. विजय सतबीर सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और समाजसेवी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु साहिब जी के बलिदान ने देश में धर्म, आजादी और स्वाभिमान के लिए लड़ने की नई चेतना पैदा की है और इस स्मरणोत्सव के माध्यम से इसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना राज्य सरकार का उद्देश्य है।

रहेजा, कल्पतरु को मुंबई मनपा की नोटिस

मुंबई। महानगर में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए मुंबई मनपा प्रशासन ने सरकारी निर्माण कार्यों के साथ ही निजी निर्माणकार्यों को काम बंद करने की नोटिस जारी की है। जिन्हें नोटिस जारी की गई है, उसमें रहेजा ग्रुप, टाटा प्रोजेक्ट व कल्पतरु जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इससे बिल्डरों व ठेकेदारों में हलचल मच गई है।

कुछ निजी आर्किटेक्टर को भी नोटिस भेजा गया है, जो वायु प्रदूषण मानकों का पालन करने में विफल रहे हैं। मनपा के पर्यावरण विभाग और संबंधित वार्ड अधिकारियों के संयुक्त निरीक्षण में पाया गया है कि कई निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण के लिए आवश्यक उपाय नहीं किए गए थे। कई जगहों पर निर्माण सामग्री खुले में रखी गई थी, पानी का छिड़काव नहीं हो रहा था और साइट के चारों ओर अनिवार्य ग्रीन नेट अथवा कवर शीट भी नहीं लगाई गई थी। इसके कारण आसपास के इलाकों में भारी मात्रा में धूल फैल रही थी। मनपा अधिकारियों के अनुसार ये सभी निर्माण स्थल महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल (एमपीसीबी) और बीएमसी द्वारा तय किए गए दिशा-निर्देशों का उल्लंघन कर रहे थे।

निर्माण गतिविधियों से निकलने वाली धूल मुंबई में पीएम-10 और पीएम-2.5 जैसे सूक्ष्म प्रदूषक कणों का स्तर तेजी से बढ़ा रही है। इसका सीधा असर नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। खासतौर पर बुजुर्गों, बच्चों और दमा या सांस की बीमारी से पीड़ित लोगों के लिए यह स्थिति गंभीर बनती जा रही है। पिछले दिनों बांबे हाई कोर्ट ने महानगर में बढ़ रहे प्रदूषण को लेकर मनपा प्रशासन को फटकार लगाई थी।

मीरा-भायंदर में सियासी पारा चढ़ा

कांग्रेस और शिंदे गुट की शिवसेना ने बीजेपी के खिलाफ बनाया विपक्षी मोर्चा

बीजेपी के दबदबे के बीच विपक्षी गुट की रणनीति

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में केंद्र और राज्य स्तर पर बीजेपी और शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) एक साथ रहने के बावजूद मीरा-भायंदर महानगरपालिका (MBMC) में दोनों दलों के बीच संबंधों में खटास सामने आ गई है। कल्याण-डोंबिवली के बाद अब MBMC में कांग्रेस और शिंदे गुट की शिवसेना ने बीजेपी के खिलाफ साझा विपक्षी मंच -"मीरा-भायंदर सिटी डेवलपमेंट फ्रंट"-का गठन किया है। वर्ष 2026 के मीरा-भायंदर नगर निगम चुनाव में बीजेपी ने 95 सीटों में से 78 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया। इसके बावजूद कांग्रेस और शिंदे गुट के नगरसेवक अब नगर निगम में अपनी आवाज़ दर्ज कराने के लिए एक साथ आए हैं।

विपक्षी मोर्चे का ढांचा

इस गठबंधन में वर्तमान में कांग्रेस के 13, शिंदे गुट की शिवसेना के 3 और एक निर्दलीय नगरसेवक शामिल हैं। कुल संख्या 17 है। नगर निगम के नियमों के अनुसार सबसे बड़े विपक्षी दल या गठबंधन को नेता प्रतिपक्ष, स्थायी समिति में प्रतिनिधित्व और नामांकन के अधिकार मिलते हैं।

इस गुट का नेता जय ठाकुर बनाया गया है। शिंदे गुट के नेता विक्रम प्रताप सिंह ने कहा कि यह गठबंधन किसी स्थायी गठबंधन के रूप में नहीं, बल्कि नगर निगम में वॉच डॉग की भूमिका निभाने के लिए है।

बीजेपी ने मीरा-भायंदर में अपनी 78 सीटों वाली एकतरफा जीत के साथ मेयर पद पर कब्जा कर रखा है। पार्टी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस और शिंदे गुट की शिवसेना ने बालासाहेब ठाकरे के आदर्शों को तिलांजलि दी और स्थानीय स्तर पर मुस्लिम तुष्टिकरण अपनाया। बीजेपी ने विपक्ष पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया है।

राजनीतिक विश्लेषण

विश्लेषकों के अनुसार यह घटनाक्रम राज्य स्तर की सत्ता साझेदारी और स्थानीय निकायों की राजनीति के बीच अंतर को उजागर करता है। स्थानीय स्तर पर कांग्रेस और शिंदे गुट की रणनीति बीजेपी के बहुमत के बावजूद निगम में निगरानी और प्रभाव बनाए रखने की कोशिश है।मीरा-भायंदर में मेयर पद अभी भी बीजेपी के कब्जे में है, लेकिन कांग्रेस-शिंदे गुट का नया विपक्षी मोर्चा निगम में विपक्ष की आवाज़ और शहर के विकास कार्यों पर नजर रखने की भूमिका निभाएगा। आगामी समय में यह नया समीकरण स्थानीय राजनीति को और रोचक और जटिल बना सकता है।

केईएम अस्पताल का नाम बदलने पर सियासी जंग

सांसद कोल्हे ने मंत्री लोढ़ा पर निशाना साधा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

परेल के प्रतिष्ठित केईएम अस्पताल का नाम बदलने के प्रस्ताव ने राजनीतिक तूफ़ान खड़ा कर दिया है। कौशल विकास और मुंबई उपनगर के सहपालक मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा द्वारा नाम बदलने की मांग पर एनसीपी सांसद अमोल कोल्हे ने कड़ी आपत्ति जताई और कहा कि इस पर ध्यान देने से पहले सार्वजनिक स्वास्थ्य की वास्तविक स्थिति पर ध्यान देना चाहिए।

अमोल कोल्हे ने कहा कि लोढ़ा को केईएम अस्पताल के इतिहास की सही जानकारी नहीं होगी। अस्पताल आजादी के समय से ही भारतीय डॉक्टरों के लिए समर्पित रहा है। मुंबई में पांच मेडिकल कॉलेज हैं, जिनमें से चार 1950 से पहले बने थे। सांसद ने कहा कि आजादी के 75 साल में केवल एक नया मेडिकल कॉलेज जोड़ा गया है। उन्होंने यह भी कहा कि शहर की आबादी 2 करोड़ है, जबकि उपलब्ध बेड की संख्या सिर्फ़ 50 हजार है, जिनमें से 15 हज़ार मनपा अस्पतालों में हैं।

कोल्हे ने मंत्री लोढ़ा के निर्माण प्रोजेक्टों के नामों पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि लोढ़ा के प्रोजेक्ट जैसे बेलमोंडो, बेलाजियो, अल्टामाउंट, कासा बेला, ट्रंप टावर अंग्रेज़ी या विदेशी नामों से जुड़े हैं। सांसद ने सुझाव दिया कि इन्हें देश और मिट्टी से जुड़े नाम जैसे राम कुटीर, सीता सदन, लक्ष्मी निवास रखने चाहिए।

मंत्री लोढ़ा का तर्क

मंत्री लोढ़ा ने पहले कहा था कि किंग एडवर्ड नाम गुलामी की निशानी है और इसे बदलना चाहिए। उनका कहना था कि भारत को आज़ादी हुए 75 साल हो गए हैं और गुलाम भारत को पूजने की कोई जरूरत नहीं।

सांसद कोल्हे ने स्पष्ट किया कि नाम बदलने की बजाय अस्पताल के डॉक्टरों की समस्याओं, बेड की कमी और स्वास्थ्य सेवा की वास्तविक स्थिति पर ध्यान देना ज़रूरी है। इस मामले ने शहर में सियासी बहस को फिर से गर्मा दिया है।

अहमदाबाद–विरमगाम सेक्शन के बीच ब्लॉक, कुछ ट्रेनें प्रभावित

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

अहमदाबाद–विरमगाम सेक्शन के साबरमती ए केबिन और साबरमती स्टेशन के बीच ऑटोमैटिक सिगनलिंग सिस्टम चालू करने के लिए 27 जनवरी, 2026 को 08:30 बजे से 20:30 बजे तक 12 घंटे का ब्लॉक लिया जाएगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 27 जनवरी, 2026 को प्रभावित होने वाली ट्रेनों का विवरण निम्न प्रकार है।

शॉर्ट टर्मिनेट और निरस्त होने वाली ट्रेनें

1. ट्रेन संख्या 20901/20902 मुंबई सेंट्रल–गांधीनगर केपिटल वंदे भारत एक्सप्रेस अहमदाबाद में शॉर्ट टर्मिनेट होगी। इसलिए, यह ट्रेन अहमदाबाद और गांधीनगर केपिटल स्टेशनों के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। ट्रेन संख्या 20959 वलसाड–वडनगर सुपरफास्ट एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 20960 वडनगर–वलसाड सुपरफास्ट एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

परिवर्तित मार्ग से चलने वाली ट्रेनें

ट्रेन संख्या 12216 बांद्रा टर्मिनस–दिल्ली सराय रोहिल्ला गरीब रथ को परिवर्तित मार्ग वाया अहमदाबाद–साबरमती ए केबिन–चांदलोडिया–खोडियार स्टेशनों के रास्ते चलाया जाएगा। 2 .ट्रेन संख्या 14807 जोधपुर–दादर एक्सप्रेस को परिवर्तित मार्ग वाया खोडियार–चांदलोडिया–साबरमती ए केबिन–अहमदाबाद स्टेशनों के रास्ते चलाया जाएगा और इस ट्रेन का साबरमती जंक्शन पर अतिरिक्त ठहराव होगा। इसलिए, यह ट्रेन साबरमती ब्रॉड गेज स्टेशन पर नहीं रुकेगी।

वरिष्ठ पत्रकार रामकिशोर त्रिवेदी की माता का निधन

मुंबई। वरिष्ठ पत्रकार रामकिशोर त्रिवेदी की माताजी गोमती त्रिवेदी का 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया। स्व. गोमती त्रिवेदी धर्मपरायण, सुसंस्कृत और सामाजिक मूल्यों से ओतप्रोत व्यक्तित्व की धनी थीं। उन्होंने अपने जीवन में पारिवारिक एकता, सामाजिक सौहार्द और नैतिक संस्कारों को सर्वोच्च स्थान दिया।

रामकिशोर त्रिवेदी के दशकों लंबे निष्पक्ष, निर्भीक और जनहितकारी पत्रकारिता के योगदान को देखते हुए अनेक वरिष्ठ पत्रकारों, राजनीतिक नेताओं, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उनके आवास पर पहुंचकर तथा दूरभाष के माध्यम से शोक-संवेदना व्यक्त की। सभी ने इसे परिवार के लिए अपूरणीय क्षति बताया। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को मोक्ष और शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

मुंबई पुलिस का अपने ही चार जवानों पर चोरी का आरोप

ऑपरेशन के दौरान नकदी और गहने गायब

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें कानून के रखवाले ही कटघरे में खड़े हैं। बांग्लादेशी नागरिक के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन के दौरान एटीसी सेल के चार पुलिसकर्मियों पर कथित तौर पर नकदी और सोने के गहने चोरी करने का आरोप लगा।

मुंबई पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए ज़ोन-6 की टीम के तहत एक सहायक पुलिस निरीक्षक और तीन कॉन्स्टेबलों को गिरफ्तार किया। आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान इन पुलिसकर्मियों ने बरामद वस्तुओं में से पैसे और गहने हड़प लिए। शिकायत एक सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा दर्ज कराई गई, जिसके बाद पुलिस ने आंतरिक जांच शुरू की।

पुलिस की प्रतिक्रिया और संदेश

जांच में यह खुलासा हुआ कि बरामद सामान का रिकॉर्ड ठीक से नहीं रखा गया था और कई महंगी वस्तुएं गायब थीं। सबूतों और बयानों के आधार पर पुलिस ने आरोपों को सही मानते हुए संबंधित कर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि यह कार्रवाई भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता के खिलाफ सख्त संदेश है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून से ऊपर कोई नहीं है, चाहे वह पुलिस वर्दी में ही क्यों न हो।

23 जनवरी 2026 को बसंत पंचमी का पावन उत्सव पर राधा स्वामी मत के मुख्यालय दयालबाग एवं मुंबई शाखा (सायन–चुनाभट्टी) में पूर्ण श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर पर मत के अनुयायी बड़ी संख्या में शामिल हुए। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों की सक्रिय भागीदारी के साथ बेबी शो, फैंसी ड्रेस शो, सांस्कृतिक और खेल कार्यक्रमों जैसी विविध गतिविधियाँ आयोजित की गई। पूरे परिसर को खूबसूरती से सजाया।

कांग्रेस को आत्मावलोकन की ज़रूरत, धन–जाति की राजनीति से आगे बढ़ने की सलाह : अनंत गाडगिल

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अनंत गाडगिल ने महाराष्ट्र नगर निकाय चुनावों में पार्टी के कमजोर प्रदर्शन को लेकर कड़ी टिप्पणी करते हुए तत्काल आत्मावलोकन का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी के अस्तित्व और पुनरुद्धार के लिए जरूरी है कि कांग्रेस अपने मूल कार्यकर्ताओं और ग्रामीण आधार से दोबारा जुड़े।

गाडगिल ने कहा कि ऐसे समय में आत्ममंथन जरूरी है, जब राजनीतिक विमर्श भाजपा की जीत और सत्तारूढ़ महायुति के भीतर महापौर पदों को लेकर जारी खींचतान से प्रभावित है। उन्होंने नेतृत्व और जमीनी हकीकत के बीच बढ़ते असंतुलन की ओर इशारा किया। हाल ही में संपन्न नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस ने वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए), आरएसपी और आरपीआई (गवई) के साथ गठबंधन किया था, लेकिन इसके बावजूद पार्टी का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। 227 सदस्यीय बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) में कांग्रेस महज 24 सीटें ही जीत सकी।

गाडगिल ने चिंता के चार प्रमुख कारण गिनाए—पार्टी के वफादार कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर दल-बदलू नेताओं को तरजीह देना, विचारधारा पर धन-शक्ति का बढ़ता प्रभाव, उम्मीदवार चयन में पारदर्शिता की कमी और चुनाव पूर्व प्रशिक्षण कार्यक्रमों का बंद होना। उन्होंने कहा कि किसी एक व्यक्ति को दोषी ठहराने के बजाय पार्टी को व्यापक आंतरिक संवाद शुरू करना चाहिए। तेजी से हो रहे शहरीकरण का जिक्र करते हुए गाडगिल ने कहा कि कांग्रेस को ऐसे नेताओं को आगे बढ़ाना चाहिए, जिन्हें जनता और मध्यम वर्ग का वास्तविक समर्थन प्राप्त हो, न कि केवल धन और जाति के गणित पर निर्भर रहना चाहिए। आगामी जिला परिषद चुनावों को देखते हुए उन्होंने ग्रामीण और किसान वोट बैंक को बचाए रखने पर भी जोर दिया और राज्य में पार्टी के पुनरुद्धार के लिए 'चिंतन शिविर' आयोजित करने की मांग की।

संपादकीय

लोकतंत्र का अपमान बनता जबरन विरोध

महाराष्ट्र में प्रस्तावित बिहार भवन को लेकर जिस तरह का विरोध सामने आ रहा है, वह स्वाभाविक असहमति नहीं बल्कि जबरन खड़ा किया गया विरोध प्रतीत होता है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में असहमति का अधिकार नागरिकों को प्राप्त है, लेकिन जब विरोध का स्वर तर्क, संवैधानिक मर्यादा और सामाजिक सौहार्द से हटकर केवल राजनीतिक या क्षेत्रीय द्वेष पर आधारित हो जाए, तब वह विरोध लोकतंत्र की आत्मा को आहत करता है। भारत एक संघीय राष्ट्र है, जहां हर राज्य, हर क्षेत्र और हर समुदाय को समान सम्मान और अवसर प्राप्त हैं। विभिन्न राज्यों के भवन—जैसे महाराष्ट्र भवन, बंगाल भवन, तमिलनाडु भवन या उत्तर प्रदेश भवन—देश की राजधानी दिल्ली सहित अनेक महानगरों में पहले से मौजूद हैं। इन भवनों का उद्देश्य किसी प्रकार का क्षेत्रीय वर्चस्व स्थापित करना नहीं, बल्कि वहां आने वाले नागरिकों को सुविधा, सांस्कृतिक पहचान और प्रशासनिक सहयोग उपलब्ध कराना होता है। ऐसे में बिहार भवन के निर्माण को लेकर विरोध खड़ा करना न केवल दोहरे मापदंड को दर्शाता है, बल्कि भारतीय संघीय ढांचे की भावना के भी विरुद्ध है। लोकतंत्र संवाद, सहिष्णुता और सहअस्तित्व पर आधारित होता है। यदि हर निर्णय का मूल्यांकन केवल संकीर्ण क्षेत्रीय पहचान के चश्मे से किया जाएगा, तो यह प्रवृत्ति देश को जोड़ने के बजाय तोड़ने का काम करेगी। महाराष्ट्र जैसे प्रगतिशील और ऐतिहासिक रूप से सामाजिक आंदोलनों की धरती पर इस प्रकार का विरोध चिंता का विषय है। यह वही महाराष्ट्र है जिसने देश को सामाजिक समरसता, औद्योगिक विकास और सांस्कृतिक उदारता का मार्ग दिखाया है। ऐसे राज्य में जबरन विरोध की राजनीति लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करती है। यह भी समझना आवश्यक है कि बिहार भवन किसी एक राज्य की शक्ति प्रदर्शन का प्रतीक नहीं, बल्कि वहां रहने और काम करने वाले लाखों बिहारी नागरिकों की सुविधा से जुड़ा विषय है। महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था, उद्योग, निर्माण क्षेत्र और सेवा क्षेत्र में बिहार सहित अन्य राज्यों के श्रमिकों और पेशेवरों का बड़ा योगदान रहा है। ऐसे में उनके लिए एक सुविधा केंद्र का विरोध करना कृतघ्नता जैसा भी प्रतीत होता है। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार तभी सार्थक होता है जब वह जनहित, संविधान और सामाजिक सौहार्द के साथ जुड़ा हो। जब विरोध केवल भीड़ जुटाने, सुर्खियां बटोरने या राजनीतिक लाभ के लिए किया जाता है, तब वह लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करता है। इस तरह का जबरन विरोध न तो किसी समस्या का समाधान देता है और न ही समाज को आगे बढ़ाता है। उलटे, यह राज्यों के बीच अविश्वास और वैमनस्य को बढ़ावा देता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम लोकतंत्र को केवल अधिकारों का मंच न मानें, बल्कि कर्तव्यों की भी याद रखें। भारत की एकता उसकी विविधता में निहित है। विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक और प्रशासनिक उपस्थिति को स्वीकार करना ही मजबूत लोकतंत्र की पहचान है। बिहार भवन का विरोध इसी विविधता को नकारने जैसा है। अंततः, यह समझना होगा कि लोकतंत्र में असहमति और विरोध का स्थान है, लेकिन जबरन विरोध लोकतंत्र का अपमान है। महाराष्ट्र में बिहार भवन का मुद्दा हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम वास्तव में संवैधानिक मूल्यों के साथ खड़े हैं या फिर संकीर्ण राजनीति के हाथों लोकतांत्रिक मर्यादाओं को कमजोर होने दे रहे हैं। एक परिपक्व लोकतंत्र वही होता है, जो संवाद से समाधान खोजे, न कि अनावश्यक टकराव से।

शख्सियत | रवि तेजा

संघर्ष से सफलता तक

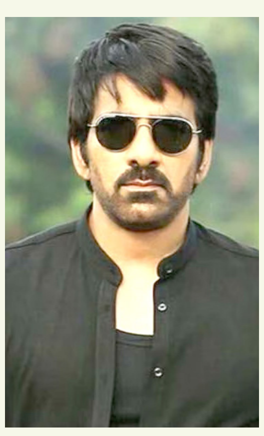

बहुत सारा काम सुबह 7 बजे तक पूरा किया जा सकता है; जो 10-11 बजे उठते हैं, उन्हें नहीं पता कि वे क्या खो रहे हैं।

रवि तेजा, जो तेलुगु सिनेमा में "मास महाराजा" के नाम से प्रसिद्ध हैं, का जन्म 26 जनवरी 1968 को जग्गमपेटा, आंध्र प्रदेश में हुआ था। उनका वास्तविक नाम भूपतिराजु रवि शंकर राजू है। उनके पिता भूपतिराजु राजगोपाल राजू एक फार्मासिस्ट थे और मां राज्या लक्ष्मी एक गृहिणी थीं। रवि तेजा अपने परिवार में सबसे बड़े बेटे हैं और उनके दो छोटे भाई, भरत और रघु भी हैं। उनके बचपन के कई हिस्से उत्तर भारत में रहे क्योंकि उनके पिता के काम के चलते परिवार को कई शहरों में रहना पड़ा। उन्होंने जयपुर, दिल्ली, मुंबई और भोपाल में अपनी शुरुआती शिक्षा पाई और बाद में विजयवाड़ा में पढ़ाई पूरी की। उनका परिवार आर्थिक रूप से खासा संपन्न नहीं था और उन्होंने बचपन से ही कड़ी मेहनत और दृढ़ इच्छाशक्ति का अनुभव किया। फिल्मों के प्रति गहरा लगाव उन्हें बचपन से ही था और वे अक्सर अमिताभ बच्चन जैसे अभिनेताओं की नकल करते थे। इस जूनून ने उन्हें 1988 में मद्रास (अब चेन्नई) भेजा, जहां उन्होंने सिनेमाई करियर शुरू करने का निर्णय लिया और शुरुआत में असिस्टेंट डायरेक्टर तथा छोटे कैमियो भूमिकाओं पर काम किया। प्रारंभ में रवी तेजा को संघर्ष का सामना करना पड़ा। उन्होंने 1990 में "कर्तव्यम" जैसी फिल्मों में छोटे-छोटे किरदार किए और असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में कई तेलुगु तथा बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स पर काम किया। इसका एक उदाहरण है कि उन्होंने "निने पेल्लाडता" जैसे प्रोजेक्ट में छोटी भूमिका से शुरुआत की और असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर भी योगदान दिया। असल पहचान उन्हें 1997 में रिलीज़ हुई फिल्म "सिंधूरम" से मिली, लेकिन लीड एक्टर के रूप में उन्हें सबसे बड़ा ब्रेक "नी कोसम" जैसी फिल्मों से मिला। इसके बाद उन्होंने "इडियट", "विक्रमारकुडु", "किक", "रजा द ग्रेट", "बेन्गल टाइगर" जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों के दिल में जगह बनाई। उनकी फिल्मों में अक्सर एक्शन और कॉमेडी का मेल देखने को मिलता है, जिससे वे तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के सबसे ऊर्जा से भरे अभिनेताओं में गिने जाते हैं। रवि तेजा की फ़िल्मी यात्रा 60 से अधिक फिल्मों तक विस्तृत है और उन्होंने कई पुरस्कार भी जीते हैं। रवि तेजा ने न सिर्फ फिल्मी संघर्ष का सामना किया, बल्कि अपने व्यक्तिगत जीवन में भी कठिनाइयाँ देखी हैं। उनके परिवार ने कई कठिन समयों से गुजरते हुए एकजुटता दिखाई। उनके छोटे भाई भरत राजू की 2017 में एक दुर्घटना में मृत्यु हो गई, जिससे उन्हें गहरा सदमा लगा। इसी तरह उनके पिता का 90 वर्ष की आयु में निधन 2025 में हुआ, जिसने परिवार को भावनात्मक रूप से प्रभावित किया। जहाँ रवि तेजा अपनी एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं, वहीं वे सामाजिक कार्यों और परोपकारी गतिविधियों में भी सक्रिय रहे हैं। उन्हें फिलैंथ्रॉपी और सामाजिक कारणों के लिए जाना जाता है, खासकर जब वह उन कारणों के लिए काम करते हैं जिन्हें वे सार्वजनिक रूप से बहुत प्रचार नहीं देते हैं। यह उनकी क्रियाशीलता का एक शांत लेकिन महत्वपूर्ण भाग है, जिसमें वे जरूरतमंदों के समर्थन और समुदाय के उत्थान में योगदान देते हैं।

गणतंत्र दिवस : जंगल से संसद तक की मानव यात्रा

सुजाता मुरकर
सोशल वर्कर हैं और सीएसआर के अंतर्गत फंड रेज़िंग का लंबा अनुभव है।

गणतंत्र दिवस केवल परेड, झांकियों और उत्सवों का दिन नहीं है। यह उस लंबी यात्रा का प्रतीक है जो मानव ने जंगलों की असुरक्षा से लेकर संविधान की सुरक्षा तक तय की है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। जैसे आदि काल में समूह की सुरक्षा हर सदस्य की जिम्मेदारी थी, वैसे ही आज गणतंत्र की रक्षा हर नागरिक का कर्तव्य है। इतिहास सिखाता है कि लोकतंत्र तभी मजबूत रहता है जब नागरिक सजग, सक्रिय और नैतिक हों। उदासीनता लोकतंत्र को कमजोर करती है और निरंकुशता को जन्म देती है।

आदि काल में मनुष्य अकेला था। वह प्रकृति के बीच भटकता, शिकार करता और जीवन की रक्षा के लिए संघर्ष करता था। समय के साथ उसे यह बोध हुआ कि अकेले रहने की तुलना में समूह में रहना अधिक सुरक्षित और उपयोगी है। यहीं से समाज की अवधारणा जन्म लेती है। जब समूह बने, तो उनके संचालन और सुरक्षा के लिए किसी एक मार्गदर्शक की आवश्यकता पड़ी। प्रारंभ में यह मुखिया योग्यता, अनुभव, साहस और विवेक के आधार पर चुना जाता था। जो सबसे सक्षम होता, वही नेतृत्व करता था। यही शासन व्यवस्था का प्रारंभिक रूप था। धीरे-धीरे समाज का आकार बढ़ा, संसाधन बढ़े और सत्ता भी सघन होती गई। योग्यता के स्थान पर जन्म ने नेतृत्व का स्थान लेना शुरू किया। मुखिया का पद वंशानुगत हो गया और यहीं से राजतंत्र का उदय हुआ। राजा को ईश्वर का प्रतिनिधि माना गया और उसकी आज्ञा ही कानून बन गई। भारत, मिस्र, चीन, रोम और यूरोप—लगभग पूरी दुनिया ने सदियों तक राजतंत्र का अनुभव किया। इस व्यवस्था ने प्रशासन और स्थायित्व तो दिया, लेकिन आम जनता को निर्णय प्रक्रिया से दूर रखा। राजतंत्र के लंबे काल में असमानता, शोषण और अत्याचार भी पनपते गए। जनता कर देती थी, युद्ध लड़ती थी, लेकिन शासन में उसकी कोई भागीदारी नहीं थी। इसी असंतोष की पृष्ठभूमि में पहली बार यह विचार जन्मा कि शासन केवल राजा का नहीं, बल्कि जनता का भी हो सकता है। इतिहास में लोकतंत्र का पहला संगठित स्वरूप प्राचीन यूनान में देखने को मिलता है, विशेष रूप से एथेंस नगर-राज्य में, लगभग पाँचवीं शताब्दी ईसा पूर्व। यूनानी भाषा में 'डेमोस' का अर्थ जनता और 'क्रेटोस' का अर्थ सत्ता होता है—अर्थात जनता की सत्ता। एथेंस में नागरिकों को सीधे सभा में जाकर निर्णय लेने का अधिकार था। वे कानून बनाते थे, शासकों को चुनते और हटाते थे। यद्यपि यह लोकतंत्र सीमित था—स्त्रियां, दास और विदेशी इसमें शामिल नहीं थे—फिर भी यह विचार मानव इतिहास में क्रांतिकारी था कि सत्ता राजा की नहीं, जनता की हो सकती है। एथेंस के बाद यह विचार लंबे समय तक दबा रहा, लेकिन पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ। मध्यकाल में राजतंत्र हावी रहा, परंतु यूरोप में पुनर्जागरण और प्रबोधन काल ने लोकतांत्रिक चेतना को फिर से जीवित किया। इंग्लैंड में 'मैग्ना कार्टा', अमेरिका का स्वतंत्रता संग्राम और फ्रांस की क्रांति—इन सभी ने यह स्थापित किया कि शासक कानून से ऊपर नहीं है और जनता ही सत्ता का स्रोत है। भारत में भी लोकतंत्र की भावना कोई नई नहीं थी। वैदिक सभाओं, गणराज्यों जैसे वैशाली और लिच्छवि में सामूहिक निर्णय की परंपरा मिलती है। हालांकि समय के साथ राजतंत्र यहां भी प्रभावी हुआ। अंग्रेजी शासन ने भारतीयों को अपने ही देश में अधिकारहीन बना दिया। इसके विरोध में चला स्वतंत्रता आंदोलन केवल विदेशी शासन के विरुद्ध नहीं था, बल्कि आत्मसम्मान और जनसत्ता की पुनर्स्थापना का आंदोलन था। महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के माध्यम से आम जन को राजनीति से जोड़ा। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने सामाजिक समानता को लोकतंत्र की आत्मा बताया। जवाहरलाल नेहरू ने लोकतंत्र को भारत के भविष्य का आधार माना। इन सभी प्रयासों का परिणाम था कि 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ और 26 जनवरी 1950 को भारत एक संप्रभु गणराज्य बना। गणतंत्र का अर्थ है—ऐसी शासन व्यवस्था जिसमें राष्ट्र का प्रमुख जनता द्वारा चुना जाता है और शासन संविधान के अनुसार चलता है। भारत ने यह स्पष्ट किया कि यहां न कोई राजा होगा, न किसी का शासन जन्म के आधार पर चलेगा। संविधान सर्वोच्च होगा और सभी नागरिक कानून के समक्ष समान होंगे। भारतीय संविधान ने स्वतंत्रता, समानता, न्याय और बंधुत्व को राष्ट्र के मूल मूल्य घोषित किया। गणतंत्र दिवस केवल परेड, झांकियों और उत्सवों का दिन नहीं है। यह उस लंबी यात्रा का प्रतीक है जो मानव ने जंगलों की असुरक्षा से लेकर संविधान की सुरक्षा तक तय की है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। जैसे आदि काल में समूह की सुरक्षा हर सदस्य की जिम्मेदारी थी, वैसे ही आज गणतंत्र की रक्षा हर नागरिक का कर्तव्य है। इतिहास सिखाता है कि लोकतंत्र तभी मजबूत रहता है जब नागरिक सजग, सक्रिय और नैतिक हों। उदासीनता लोकतंत्र को कमजोर करती है और निरंकुशता को जन्म देती है। इसलिए गणतंत्र दिवस हमें केवल गर्व नहीं, बल्कि चेतना और कर्तव्यबोध भी देता है। आदि काल के भटकते मनुष्य से लेकर मतदान करता नागरिक बनने तक की यह यात्रा मानव सभ्यता की सबसे बड़ी उपलब्धि है। यही गणतंत्र की आत्मा है और यही भारत की पहचान।

जीवन मंत्र

सफर हमें सिखाता है कि हर मोड़ नया अवसर लेकर आता है। मंजिल भले ही महत्वपूर्ण हो, लेकिन असली आनंद रास्ते में छिपा होता है। इसीलिए हर सफर, चाहे छोटा हो या लंबा, हमें बेहतर इंसान बनाकर लौटाता है और जीवन को नई दिशा देता है।

अनुशासन: सफलता की कुंजी

अनुशासन वह मूलमंत्र है जो जीवन में सफलता और संतुलन दोनों लाता है। यह केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि स्वयं पर नियंत्रण और समय का सदुपयोग करने की क्षमता है। अनुशासन से व्यक्ति अपने लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहता है, आवेगों पर काबू पाता है और मुश्किल परिस्थितियों में भी सही निर्णय ले पाता है। हमारे जीवन में अनुशासन का महत्व बचपन से ही शुरू होता है। स्कूल में समय पर पढ़ाई, नियमों का पालन और समय पर काम पूरा करना हमें अनुशासन की आदत सिखाता है। इस आदत का असर जीवन के हर क्षेत्र में दिखाई देता है—चाहे वह शिक्षा हो, करियर, स्वास्थ्य या संबंध। उदाहरण के लिए, नियमित व्यायाम, समय पर भोजन और पर्याप्त नींद हमारी शारीरिक और मानसिक शक्ति को बनाए रखते हैं। अनुशासन का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह स्वतंत्रता और आत्मविश्वास देता है। जब व्यक्ति अपने कार्यों और आदतों पर नियंत्रण रखता है, तो वह बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं रहता। अनुशासित लोग योजनाबद्ध तरीके से काम करते हैं और अपने लक्ष्य को छोटे-छोटे कदमों में पूरा करते हैं। इसके विपरीत, बिना अनुशासन के व्यक्ति अक्सर आलस्य, विलंब और असफलता का शिकार होता है। अनुशासन केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं है; यह समाज और राष्ट्र के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जिम्मेदार नागरिक वही होते हैं जो कानून और नियमों का पालन करते हैं, और अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहते हैं। अंततः अनुशासन केवल एक आदत नहीं, बल्कि जीवन का दर्शन है। यह हमें लक्ष्य की दिशा में निरंतर अग्रसर रखता है, मानसिक शक्ति बढ़ाता है और हमें श्रेष्ठता की ओर ले जाता है। जो व्यक्ति अनुशासित होता है, वही अपने जीवन में स्थायी सफलता, सम्मान और संतोष प्राप्त कर पाता है।

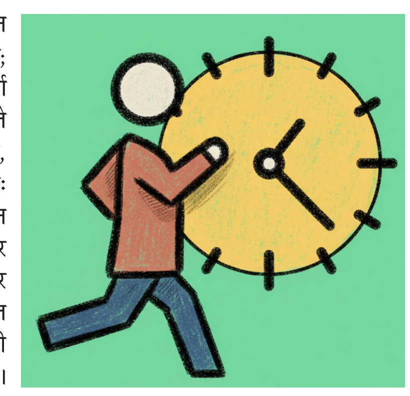

जीवन ऊर्जा | के. एस. नरसिंहस्वामी : जन्म 26 जनवरी 1915 | जन्म

कन्नड़ भाषा के महान कवि के. सि. नरसिंहस्वामी प्रेम, संवेदना और प्रकृति के कवि थे। वे नवोदय काव्य आंदोलन से जुड़े रहे। उनकी कविताएं सरल, भावपूर्ण और स्त्री-संवेदना से भरी हैं। उन्हें "प्रेमकवि" कहा जाता है। उनका जन्म 26 जनवरी 1915 को कर्नाटक के मंड्या ज़िले में हुआ और 27 दिसंबर 2003 को बैंगलोर में उनका निधन हुआ।

संवेदनाओं के कवि की जीवनयात्रा

प्रेम कहने से नहीं, निभाने से पवित्र होता है। कविता तब जन्म लेती है, जब हृदय मौन हो जाता है। स्त्री केवल सौंदर्य नहीं, संवेदना की पूर्ण भाषा है। प्रेम में अधिकार नहीं, समर्पण होता है। प्रकृति से दूर गया मन, कविता से भी दूर हो जाता है। सच्चा प्रेम कभी ऊंची आवाज़ में नहीं बोलता। मौन भी एक कविता है, जो हर कोई नहीं पढ़ सकता। प्रेम का अर्थ पाना नहीं, खो जाना है। फूलों ने मुझे सिखाया—मौन में भी खुशबू फैलती है। हृदय की सादगी ही सबसे बड़ा अलंकार है। शब्द कम हों, तो भावना गहरी होती है। प्रेम पूछता नहीं, बस ठहर जाता है। जो मन को छू जाए, वही सच्ची कविता है। स्त्री का दुख ही मेरी कविता की सबसे बड़ी प्रेरणा है। सौंदर्य आँखों में नहीं, अनुभूति में बसता है। प्रेम में शर्तें हों, तो वह प्रेम नहीं रहता। कविता लिखी नहीं जाती, वह घटती है। मनुष्य का अकेलापन ही कविता की जननी है। प्रेम वह दीप है, जो आंधी में भी जलता है। प्रकृति मेरी पहली और अंतिम गुरु है। भावनाएं जब थक जाती हैं, तब कविता बोलती हैं। प्रेम का स्पर्श शब्दों से अधिक गहरा होता है। सरलता ही काव्य की सबसे बड़ी शक्ति है। जो दिखे वही सत्य नहीं, जो महसूस हो वही जीवन है। प्रेम में समय रुक जाता है। कविता मन का स्वाभाविक श्वास है। स्त्री को समझे बिना प्रेम को नहीं समझा जा सकता। शब्दों से नहीं, अनुभूति से कविता अमर होती है। प्रेम में दूरी भी एक सुंदर पीड़ा है। मेरी कविता, मेरे मन का मौन संवाद है। प्रेम की सबसे सुंदर अभिव्यक्ति है — शांत साथ। कविता तब सच्ची होती है, जब वह आसू रोक दे। स्त्री का मौन, कई कविताओं से अधिक अर्थ रखता है। प्रेम में प्रतीक्षा भी एक उत्सव है। शब्द थक जाएं तो भावनाएं बोलती हैं। कविता का जन्म दुख से नहीं, संवेदना से होता है। जो मन को हल्का कर दे, वही कविता है। प्रेम में हर क्षण नया होता है। सादगी से बड़ा कोई सौंदर्य नहीं। कविता मेरे भीतर का धीमा प्रकाश है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

ज्ञान, नैतिकता और अनुशासन

मनुष्य का जीवन केवल सांसारिक सुख और धन की खोज तक सीमित नहीं है। हमारे प्राचीन ग्रंथ हमें स्पष्ट बताते हैं कि वास्तविक सफलता और सम्मान ज्ञान, गुण, नैतिकता और अनुशासन से आता है, न कि केवल जन्म, सौंदर्य या धन से। अधम वर्ग के लोग केवल धन की चाह रखते हैं, मध्यम वर्ग धन और सम्मान चाहते हैं, जबकि उच्च वर्ग केवल सम्मान चाहता है। वास्तव में, सम्मान ही उच्च व्यक्तियों की असली दौलत है, क्योंकि यह उनके चरित्र, कर्म और समाज में योगदान को दर्शाता है। हमारे विचार, आचार और आहार सीधे हमारे जीवन और व्यक्तित्व को प्रभावित करते हैं। जैसे दीपक अंधकार का भक्षण करता है और काला धुआँ छोड़ता है, वैसे ही हम जो भोजन और विचार ग्रहण करते हैं, वही हमारे कर्म और मानसिकता को आकार देते हैं। सात्विक भोजन से शांति, विवेक और ज्ञान बढ़ता है, राजसिक से उत्साह, क्रोध और लालसा उत्पन्न होती है, और तामसिक भोजन से आलस्य, भ्रम और नकारात्मकता आती है। इसलिए हमें सतत यह समझना चाहिए कि हमारे भीतर जो सामग्री प्रवेश करती है, वही हमारे जीवन का आधार बनती है। धन, विद्या और शक्ति केवल उपयोग में लाए जाने पर फलदायी होती हैं। जो विद्या प्रयोग में नहीं आती, वह व्यर्थ हो जाती है। जो धन उचित तरीके से खर्च नहीं होता, वह नष्ट हो जाता है। जैसे बिना सेनापति की सेना, बिना पति की पत्नी, या बिना ज्ञान का मनुष्य खो जाता है, वैसे ही संसाधनों का गलत प्रयोग जीवन में नुकसान पहुंचाता है। यही कारण है कि संपत्ति और शक्ति केवल योग्य और न्यायपूर्ण प्रयोजन में ही मूल्यवान होती हैं। सच्चा सुख और शांति संतोष, संयम और दया से उत्पन्न होती है। क्रोध और तृष्णा केवल दुःख और समस्याएँ लाते हैं, जबकि संतोष, विवेक और ज्ञान जीवन को सुखद और सशक्त बनाते हैं। नीति, आचार और साधना व्यक्ति के सौंदर्य और कुल के गहने हैं। रूप, यौवन या उच्च कुल केवल विद्या और गुण के बिना जीवन को खाली बनाते हैं। जैसे शुद्ध जल, पतिव्रता पत्नी, संतोषी राजा और परोपकारी ब्राह्मण शुद्ध जीवन की पहचान हैं, वैसे ही व्यक्तित्व और नैतिकता जीवन की असली धरोहर हैं। योग, यज्ञ और दान केवल बाहरी कर्म नहीं हैं, बल्कि भाव और भक्ति से ही उनका सार निकलता है। देवता किसी पत्थर या लकड़ी में नहीं रहते, वे भाव में निवास करते हैं। अतः कोई भी कर्म यदि केवल दिखावे के लिए किया जाए, तो उसका फल नहीं मिलता। वही कार्य सफलता और सम्मान दिलाता है जो श्रद्धा, भक्ति और सही भाव से किया जाए। इस जीवन में ज्ञान और विद्या ही सबसे बड़ी शक्ति हैं। उच्च कुल, सौंदर्य या धन उनके बिना मूल्यहीन हैं। विद्वान व्यक्ति हर जगह सम्मान और गौरव पाता है, जबकि अज्ञानी और असंतुष्ट व्यक्ति विनाश की ओर जाता है। यही कारण है कि जीवन में संतोष, भक्ति, नैतिकता और ज्ञान ही स्थायी सफलता के मूल हैं। अंततः यह समझना आवश्यक है कि जीवन के वास्तविक मूल्य केवल धन, रूप या सत्ता में नहीं, बल्कि गुण, विद्या, नैतिकता और सही भाव में निहित हैं।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

प्यारे देशवासियों, आप सब हमारे जीवंत गणतंत्र को शक्तिशाली बना रहे हैं। हमारी तीनों सेनाओं के बहादुर जवान, मातृभूमि की रक्षा के लिए सदैव सतर्क रहते हैं। हमारे कर्तव्यनिष्ठ पुलिसकर्मी तथा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के जवान देशवासियों की आंतरिक सुरक्षा के लिए तत्पर रहते हैं।

– द्रौपदी मुर्मू
राष्ट्रपति

हमारे देश के लिए उनके बेहतरीन योगदान के लिए सभी पद्म पुरस्कार विजेताओं को बधाई। अलग-अलग क्षेत्रों में उनकी काबिलियत, लगन और सेवा हमारे समाज को और बेहतर बनाती है। यह सम्मान उस कमिटमेंट और काबिलियत की भावना को दिखाता है जो पीढ़ियों को प्रेरित करती रहती है।

-नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

चुनाव को सिर्फ चुनाव नहीं, बल्कि एक 'लोकतांत्रिक युद्ध' बताया। उन्होंने अपने समर्थकों को कमांडो और फ्रंटलाइन वॉरियर कहा। उन्होंने विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन पार्टियों के नाम में अन्ना (सी.एन. अन्नादुरई) है, वे भी उन्हें भूल चुकी हैं।

-विजय थलापति
टीवीके नेता

चुनाव आयोग 'भाजपा, अपने आका के इशारे पर, विपक्ष को कुचलने और भारतीय लोकतंत्र की नींव को नष्ट करने में लगे हैं, और फिर भी उनमें मतदाता दिवस मनाने की हिम्मत है।' चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) SIR को अनुचित जल्दबाजी में करा रहा है।

-ममता बनर्जी
सीएम, प.बंगाल

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

संस्मरण

शांति निकेतन-जहां प्रकृति की गोद में सांस लेती है शिक्षा

अनु प्रकाश
शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी रही हैं, काउंसलिंग में लंबा अनुभव, मुंबई में निवास

"बचपन से ही गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर और उनके सपनों के संसार 'शांति निकेतन' के बारे में इतना कुछ पढ़ा और सुना था कि मन के किसी कोने में वहां जाने की एक अमिट इच्छा जड़ें जमा चुकी थी। स्वयं शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े होने के कारण यह जिज्ञासा और भी गहरी थी कि आखिर वह कौन सी माटी है, जिसने विश्व को किताबी ज्ञान से इतर एक नई दृष्टि दी। गूगल और किताबों ने जानकारी के झरोखे तो बहुत खोले, लेकिन एक शिक्षक के नाते मेरी रूह उस प्रत्यक्ष अनुभव के लिए प्यासी थी जिसे केवल वहां पहुंचकर ही महसूस किया जा सकता था।"

सौभाग्य से, मेरे हमसफर की पोस्टिंग कोलकाता में होने से यह सुअवसर मेरे द्वार तक आ पहुंचा। हमारी यह यात्रा वर्द्धमान से शुरू हुई। वहां से हमने बोलपुर, शांति निकेतन के लिए एक रोड ट्रिप की योजना बनाई। लगभग डेढ़ घंटे का यह सफर किसी सुंदर कविता के छंदों जैसा था। रास्ते में 108 शिवलिंग मंदिर के दर्शन का लाभ मिला। मनोरम रास्ते, लहलहाते खेत-खलिहान और ग्रामीण जीवन की सादगी को निहारते हुए हम जब शांति निकेतन के करीब पहुंच रहे थे, तो एक शिक्षक और एक जिज्ञासु यात्री के रूप में मेरी उत्सुकता अपने चरम पर थी।

शांति निकेतन की सीमा में प्रवेश करते ही सबसे पहला अहसास 'शांति' के उस विस्तार का हुआ जो अब शहरों में दुर्लभ है। यह शहर के शोरगुल और आपाधापी से कोसों दूर, हरियाली की चादर ओढ़े एक खुला-खुला सा संसार है। हमारी यात्रा का पहला पड़ाव वे पांच ऐतिहासिक घर थे, जहां गुरुदेव ने अपने जीवन का अमूल्य समय सृजन को समर्पित किया था। इन घरों के नाम—उदयन, उदीची, श्यामली, कोणार्क और पुनश्च—अपने आप में किसी राग की तरह मधुर हैं। वहां उनकी पुरानी सुंदर कार को देखना इतिहास के पन्नों को सजीव होते देखने जैसा था।

इसके बाद हम 'गीतांजलि गैलरी' की ओर बढ़े। एक शिक्षक के लिए यह किसी तीर्थ से कम नहीं था। गीतांजलि, वह कालजयी कृति जिसने गुरुदेव को नोबेल पुरस्कार दिलाया, उसकी विरासत को वहां सहेजा गया है। नोबेल प्राइज के मेडल की प्रतिकृति (Replica), गुरुदेव की पांडुलिपियां, पुरानी चिट्ठियां, पेन और वे कागज देखना हृदय को गौरव से भर देने वाला क्षण था। वहां वह भाषण भी रखा है जो उन्होंने नोबेल प्राइज लेते समय दिया था। गीतांजलि का विश्व की अनगिनत भाषाओं में अनुवाद गुरुदेव की वैश्विक स्वीकार्यता का जीवंत प्रमाण है।

दोपहर की सुनहरी धूप और बढ़ती भूख हमें 'सोनाझूरी हाट' की ओर ले आई। पर्यटकों के लिए वहां कई छोटे-बड़े रेस्टोरेंट्स खुल चुके हैं। हमने एक पारंपरिक शाकाहारी थाली का चयन किया। भोजन की सादगी और उसकी प्रस्तुति इतनी कलात्मक थी कि भूख मानों दोगुनी हो गई। मिट्टी की थाली और कटोरियों में परोसा गया सादा बंगाली भोजन—दाल, भात, साग, आलू पोस्तो, मिक्स वेज, खीर और खजूर की चटनी—तृप्ति का दूसरा नाम था।

भोजन के बाद हम सोनाझूरी हाट के बीचों-बीच थे। यह महज एक बाजार नहीं, बल्कि ग्रामीण कला का उत्सव है। वहां के स्थानीय लोग अपने हाथों से बुने कपड़े, साड़ियां, स्कर्ट्स, कलाकृतियां और बर्तन बेचते हैं। कोलकाता जैसे बड़े शहरों के मुकाबले यहां कीमतें काफी कम हैं। हमने याद के तौर पर मिट्टी के दो कप लिए। वहां थोड़ी सौदेबाजी (Bargaining) भी हुई, पर ग्रामीण कलाकारों को आत्मनिर्भर बनते देखना सुखद लगा। मेरा मानना है कि हमें ऐसे हाट को बढ़ावा देना चाहिए, क्योंकि इससे हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जड़ें मजबूत होती हैं।

हमारी यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव 'हेरिटेज वॉक' था। अब शांति निकेतन 'विश्व भारती यूनिवर्सिटी' का स्वरूप ले चुका है, जहां केजी से लेकर उच्च शिक्षा तक के द्वार खुले हैं। एक शिक्षिका होने के नाते मुझे यह देखकर असीम संतोष हुआ कि जिस 'नई शिक्षा पद्धति' की चर्चा हम आज कर रहे हैं, गुरुदेव ने उसका स्वप्न दशकों पहले ही जी लिया था। यहां प्रकृति, कला और संस्कृति केवल विषय नहीं, बल्कि जीवन पद्धति हैं। आज भी यहां मौसम के अनुरूप पेड़ों के नीचे कक्षाएं लगती हैं।

खुले आसमान के नीचे होने वाली यह पढ़ाई विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास (Holistic Development) को केंद्र में रखती है। यहां आधुनिक नवाचार और पारंपरिक मूल्य एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। शांति निकेतन दुनिया का एकमात्र 'लिविंग हेरिटेज साइट' है, जहां इतिहास और वर्तमान एक साथ धड़कते हैं। यहां की वास्तुकला और पढ़ाई का तरीका विद्यार्थियों में 'क्रिटिकल थिंकिंग' और मानवीय मूल्यों को सींचता है।

इस यात्रा का समापन 'छतिम वृक्ष' (सप्तपर्णी) की महिमा के बिना अधूरा है। इसी दिव्य वृक्ष के नीचे बैठकर गुरुदेव को उस शांति का बोध हुआ था, जिसने विश्व भारती की नींव रखी। आज भी परंपरा के अनुसार, जब देश के राष्ट्रपति यहां दीक्षांत समारोह में आते हैं, तो उपाधि के साथ चैतन्य ट्री का एक पत्ता भी दिया जाता है। यह पत्ता केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि शांति, प्रकृति और उस सार्वभौमिक शिक्षा का संकल्प है जो गुरुदेव ने हमें विरासत में दी है।

शांति निकेतन की यह यात्रा मेरे लिए केवल एक भ्रमण नहीं, बल्कि एक शिक्षक के रूप में स्वयं को पुनर्जीवित करने का अनुभव था। गुरुदेव के शब्दों में कहें तो—शिक्षा का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि हमारे जीवन को समस्त अस्तित्व के साथ सामंजस्य में लाना है।

असम की नारी शक्ति और लोकसंस्कृति का विराट उत्सव : बागुरुम्बा नृत्य

लेखिका :
" ह्रीं " चिंतना श्रीजी।

भारत की सांस्कृतिक चेतना में असम एक ऐसी भूमि है, जहां प्रकृति, परंपरा और लोकजीवन एक–दूसरे में सहज रूप से घुले हुए दिखाई देते हैं। हाल ही में असम की धरती पर साकार हुआ एक भव्य और ऐतिहासिक दृश्य इसी सांस्कृतिक चेतना का विराट उत्सव बन गया। गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में 17 जनवरी 2026 को जब 10,000 से अधिक स्त्रियां एक साथ बागुरुम्बा नृत्य में लयबद्ध हुईं, तो वह केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि नारी शक्ति, सामूहिक एकता और लोकसंस्कृति का जीवंत महाकाव्य बन गया।

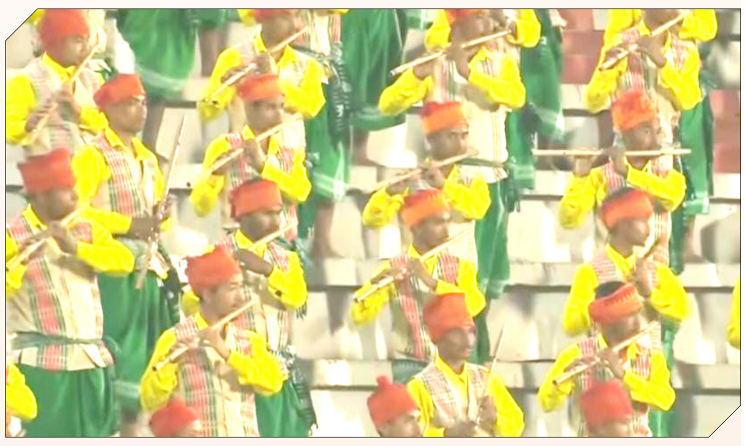

बागुरुम्बा नृत्य, जिसे आम भाषा में "तितली नृत्य" या Butterfly Dance कहा जाता है, असम के बोडो जनजातीय समाज का एक अत्यंत प्राचीन और कोमल लोकनृत्य है। यह नृत्य मुख्य रूप से महिलाओं द्वारा समूह में किया जाता है। इसकी हर मुद्रा, हर गति प्रकृति से संवाद करती प्रतीत होती है। नृत्य करती स्त्रियों की भंगिमाएं ऐसी लगती हैं मानो रंग-बिरंगी तितलियां अपने पंख फैलाकर हरियाली के बीच उड़ रही हों। इसमें न कोई आक्रामकता है, न प्रदर्शन की होड़—केवल सौंदर्य, शांति और लय का सहज प्रवाह है।

परंपरागत रूप से बागुरुम्बा नृत्य बोडो नववर्ष 'ब्विसागु' और फसल कटाई के बाद आयोजित किया जाता है। यह नृत्य प्रकृति के स्वागत, वसंत ऋतु के आगमन और नवजीवन के उत्सव का प्रतीक है। इसके माध्यम से बोडो समाज पृथ्वी, प्रकृति और सृजन शक्ति के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है। यह नृत्य देवी-देवताओं को प्रसन्न करने और जीवन में शांति व समृद्धि की कामना का भी माध्यम माना जाता है।

बागुरुम्बा नृत्य की दृश्यात्मक सुंदरता इसकी पारंपरिक वेशभूषा में और निखर जाती है। नृत्य करने वाली स्त्रियां डोकना पहनती हैं और कंधे पर अरनाई धारण करती हैं। प्राकृतिक रंगों से सजी ये पोशाकें हरियाली, शांति और प्रकृति से गहरे जुड़ाव का प्रतीक हैं। हल्के आभूषण, खुले या सादे केश और सहज मुस्कान इस नृत्य को और भी सौम्य बना देती है।

इस नृत्य का संगीत इसकी आत्मा है। सेरजा जैसे तंतुवाद्य, सिफुंग नामक बाँसुरी, खाम ढोल और ताल वाद्य जब एक साथ गूंजते हैं, तो वातावरण में एक आध्यात्मिक अनुभूति फैल जाती है। यह संगीत केवल कानों से नहीं, बल्कि मन और आत्मा से सुना जाता है।

हाल ही में आयोजित 10,000 महिलाओं के सामूहिक बागुरुम्बा नृत्य ने इतिहास रच दिया। एक समान लय, अनुशासन और सौंदर्य से सजी यह प्रस्तुति नारी शक्ति और सामाजिक एकता का अद्भुत उदाहरण बन गई। यह आयोजन असम की लोककला और बोडो संस्कृति को वैश्विक मंच पर सम्मान दिलाने का सशक्त प्रयास था, साथ ही विश्व रिकॉर्ड बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम भी।

आज बागुरुम्बा नृत्य केवल एक जनजातीय परंपरा नहीं रहा, बल्कि यह असम की पहचान और भारतीय लोकसंस्कृति की अमूल्य धरोहर के रूप में प्रतिष्ठित हो चुका है। यह हमें यह सिखाता है कि जब परंपरा, प्रकृति और स्त्री शक्ति एक साथ लय में आती हैं, तब संस्कृति स्वयं इतिहास रचती है।

बागुरुम्बा नृत्य असम की धरती की सुगंध, तितलियों की कोमलता और नारी गरिमा का वह मधुर संगम है, जो आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जुड़े रहने और अपनी सांस्कृतिक पहचान पर गर्व करने की प्रेरणा देता रहेगा।

कविता

मन तो भरेगा नई उड़ान,
उसकी बात जरा न मान।
कभी जाए वह सागर पार,
कभी उड़े वह पंख पसार।
आत्मा जो कहे, वही मान,
मन तो भरेगा नई उड़ान।
कभी मंदिर–मस्जिद में बैठे,
कभी गिरजाघर में जा अटके,
कभी जलधारा संग खेले खेल,
मन का न किसी से कोई मेल।
कभी भटके वह रेगिस्तान,
मन तो भरेगा नई उड़ान।
मन की चंचलता पर नाज न कर,
आत्मा की वाणी से नाता धर।
तभी तो जग में होगा कल्याण,
पाएगा जीवन नित शुभ विहान।

मीना झा

न्यूज़ ब्रीफ

गणतंत्र दिवस: 18 पुलिस कर्मियों को वीरता पदक

लखनऊ। 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों के उत्कृष्ट कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। गृह मंत्रालय द्वारा घोषित सूची के अनुसार प्रदेश के कुल 90 पुलिसकर्मियों को उनकी वीरता, विशिष्ट एवं सराहनीय सेवाओं के लिए विभिन्न पदकों से नवाजा जाएगा। इसमें 18 पुलिसकर्मियों को असाधारण साहस का प्रदर्शन करने के लिए गैलेंट्री मेडल प्रदान किया जाएगा। वहीं विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक (पीएसएम) से चार अधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा, जबकि सराहनीय सेवा के लिए 68 पुलिसकर्मियों को पदक (एमएसएम) प्रदान किए जाएंगे। गैलेंट्री मेडल से सम्मानित होने वालों में इंस्पेक्टर संतोष कुमार, इंस्पेक्टर अमित, अपर पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार सिंह, सब-इंस्पेक्टर सौरभ मिश्रा तथा हेड कांस्टेबल बैजनाथ प्रमुख रूप से शामिल हैं। इंस्पेक्टर अमित को पूर्व में भी वीरता पदक मिल चुका है। इसके अतिरिक्त मनोज कुमार सिंह, अतुल चतुर्वेदी, प्रदीप कुमार सिंह, सुशील कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक राकेश, पुलिस उपाधीक्षक धर्मेश कुमार शाही, इंस्पेक्टर सत्य प्रकाश सिंह, सब-इंस्पेक्टर यशवंत सिंह, पुलिस उपाधीक्षक रजनीश कुमार उपाध्याय, सब-इंस्पेक्टर जर्रार हुसैन, सुनील सिंह तथा कांस्टेबल कुणाल मलिक भी वीरता पुरस्कार प्राप्त करेंगे। इनमें कुछ अधिकारियों को यह सम्मान दूसरी बार मिल रहा है।

यूपी में 39 मिनरल वाटर ब्रांड प्रतिबंधित, खामियां उजागर

बरेली। उत्तर प्रदेश में बिक रहे मिनरल वाटर की गुणवत्ता को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने जांच में मानकों पर खरे न उतरने पर 39 मिनरल वाटर ब्रांडों की बिक्री और आपूर्ति पर तत्काल रोक लगा दी है। एफएसडीए के अनुसार कई ब्रांडों के नमूनों में बैक्टीरिया और रासायनिक मानकों का उल्लंघन पाया गया, जिससे जनस्वास्थ्य को खतरा बताया गया है। शाहजहांपुर, रामपुर, प्रयागराज, आजमगढ़, गोरखपुर, बस्ती, चित्रकूट सहित कई जिलों के ब्रांड कार्रवाई की जद में आए हैं। आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने संबंधित कंपनियों को 48 घंटे में स्टॉक का विवरण देने और प्रतिबंध का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उपभोक्ताओं से केवल प्रमाणित और भरोसेमंद मिनरल वाटर के उपयोग की अपील की गई है।

उन्हे गरीबों और जरूरतमंद छात्रों को चिंता नही: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जो लोग देर तक सोकर उठते हैं, उन्हें गरीबों और जरूरतमंद छात्रों की चिंता नहीं होती। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर परिवारवाद और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि इसी कारण छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं का लाभ वंचित वर्ग तक नहीं पहुंच पाता था। राजधानी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने डीबीटी के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए करीब 18.78 लाख छात्र-छात्राओं के खातों में 944.55 करोड़ की छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति राशि हस्तांतरित की। उन्होंने कहा कि पारदर्शी व्यवस्था से भ्रष्टाचार पर रोक लगी है और बिना भेदभाव के लाभ सीधे पात्र छात्रों तक पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री ने इसे गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर विद्यार्थियों के लिए बड़ी सौगात बताते हुए प्रदेशवासियों को 77वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं।

सफेद चादर से ढके पहाड़ गुलजार

ठंड के सीजन की पहली बर्फबारी से पर्यटन को मिली संजीवनी, नैनीताल में रिकार्ड आमद

- दयारा बुग्याल, हर्षिल घाटी और केदारकांठा में बढ़ी रौनक
- ट्रेंकिंग और टूर आपरेटरों की मांग बढ़ी, होटल-होमस्टे फुल

एजेंसी | उत्तरकाशी/नैनीताल

वर्ष की पहली बर्फबारी ने उत्तराखंड के पर्वतीय इलाकों को सफेद चादर में ढक दिया है, जिससे न केवल प्राकृतिक सौंदर्य निखर उठा है बल्कि पर्यटन गतिविधियों में भी नई जान आ गई है। बर्फ गिरते ही उत्तरकाशी जनपद के दयारा बुग्याल, केदारकांठा, हर्षिल घाटी, स्नो व्यू और चौरंगी जैसे ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सैलानियों की चहल-पहल तेज हो गई है। लंबे इंतजार के बाद हुई बर्फबारी से स्थानीय लोगों में उत्साह का माहौल है, वहीं देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे पर्यटकों के लिए यह नज़ारा खास आकर्षण बन गया है। दयारा बुग्याल और केदारकांठा जैसे विंटर टूरिज्म के प्रमुख केंद्रों पर ट्रेकरों और पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। होटलों और होमस्टे में बुकिंग लगभग फुल हो चुकी है, जबकि ट्रेकिंग और टूर ऑपरेटरों की मांग भी तेजी से बढ़ी है। गंगोत्री धाम क्षेत्र की हर्षिल घाटी से लेकर दयारा बुग्याल तक पर्यटकों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है। स्थानीय होमस्टे संचालकों के अनुसार रैथल, बार्सू और नटीन गांवों से गुजरने वाले ट्रेकिंग मार्गों पर बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं, जिससे ग्रामीण पर्यटन को भी लाभ मिल रहा है।

कैंचीधाम पर भी उमड़ी भारी भीड़

हिमालय दर्शन, किलबरी, मल्लीताल पंत पार्क, नैनी झील, नैना देवी मंदिर, प्राणी उद्यान, रोपवे और कैंचीधाम सहित प्रमुख पर्यटन स्थलों पर भारी भीड़ देखी गई। अनुमान है कि रविवार को करीब 20 हजार पर्यटक और पांच हजार से अधिक वाहन नगर पहुंचे। पर्यटकों की अधिक संख्या के कारण यातायात दबाव बढ़ा और टैक्सी किराए को लेकर मनमानी की शिकायतें भी सामने आईं। सीमित बस सेवाओं के चलते निजी वाहनों पर निर्भरता बढ़ने से जाम की स्थिति बनी रही। पर्यटन कारोबारियों के अनुसार, बर्फबारी ने नैनीताल के पर्यटन को बड़ा संजीवनी दी है।

यात्रा से पहले लें पूर्वानुमान की जानकारी

बर्फबारी के मद्देनजर प्रशासन ने पर्यटकों से अपील की है कि वे पहाड़ी क्षेत्रों की यात्रा पर निकलने से पहले मौसम पूर्वानुमान और सड़क की स्थिति की जानकारी अवश्य लें तथा सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करें। सप्ताहांत पर हुई बर्फबारी और लंबे अवकाश के चलते नैनीताल में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटक पहुंचे हैं। नगर के होटल और होमस्टे 70 से 80 प्रतिशत तक भर गए हैं, जिससे कई सैलानियों को ठहरने में परेशानी का सामना करना पड़ा।

स्थानीय युवाओं के लिए बढ़े रोजगार के अवसर

पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों का मानना है कि इस बर्फबारी से स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। होमस्टे, गाइड सेवा, ट्रेकिंग, परिवहन और अन्य सहायक गतिविधियों के माध्यम से स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। टूर ऑपरेटरों का कहना है कि यदि मौसम अनुकूल बना रहा तो आने वाले दिनों में पर्यटकों की संख्या और बढ़ सकती है।

BHU के मंगला कपूर और श्यामसुंदर को पद्मश्री अवार्ड

- काशी के लिए गौरव का क्षण, विवि परिसर में खुशी की लहर

एजेंसी | वाराणसी

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर केंद्र सरकार द्वारा घोषित पद्म पुरस्कारों की सूची में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) की दो प्रतिष्ठित हस्तियों का नाम शामिल होने से शिक्षा और शोध जगत में उत्साह का माहौल है। बीएचयू की पूर्व प्राध्यापिका प्रो. मंगला कपूर और चिकित्सा विज्ञान के वरिष्ठ विशेषज्ञ प्रो. श्याम सुंदर अग्रवाल को पद्मश्री सम्मान प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है। सम्मान की सूचना मिलते ही विश्वविद्यालय परिसर में खुशी की लहर दौड़ गई और दोनों विद्वानों को शुभकामनाएं देने वालों का तांता लग गया। शिक्षकों, विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं ने इसे बीएचयू की गौरवशाली परंपरा का प्रतीक बताया है।

मंगला कपूर ने संगीत में बनाई पहचान

संगीत जगत में विशिष्ट पहचान रखने वाली प्रो. मंगला कपूर बीएचयू के संगीत विभाग की पूर्व प्राध्यापिका रही हैं और वे ग्वालियर घराने से संबद्ध हैं। विपरीत परिस्थितियों से जूझते हुए उन्होंने अपने जीवन को संगीत साधना के लिए समर्पित किया। किशोरावस्था में हुए एक दर्दनाक एसिड अटैक के बावजूद अदम्य साहस के बल पर उन्होंने शिक्षा का मार्ग नहीं छोड़ा और संगीत में स्नातक, परास्नातक तथा पीएचडी की उपाधि अर्जित की। वर्ष 1989 में बीएचयू में अध्यापन कार्य प्रारंभ कर उन्होंने तीन दशकों तक विद्यार्थियों को संगीत की दीक्षा दी। समाज के प्रति उनके योगदान को देखते हुए उन्हें पूर्व में राज्यसभा द्वारा 'रोल मॉडल' पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

कालाजार के निदान में आगे रहे श्यामसुंदर

चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रो. श्याम सुंदर अग्रवाल बीएचयू के चिकित्सा विज्ञान संस्थान (आईएमएस) में मेडिसिन विभाग से जुड़े रहे हैं। कालाजार जैसे गंभीर रोग के निदान और उपचार में उनकी भूमिका को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है।

राजद में संगठनात्मक फेरबदल, तेजस्वी यादव को मिली कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी

- तेजस्वी को राजद की कमान

एजेंसी | पटना

बिहार की राजनीति में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने एक अहम संगठनात्मक कदम उठाते हुए तेजस्वी यादव को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की है। बजट सत्र से ठीक पहले लिए गए इस निर्णय को आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों की तैयारी से जोड़कर देखा जा रहा है। राजनीतिक हलकों में इसे पार्टी की भविष्य की रणनीति का स्पष्ट संकेत माना जा रहा है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि इस नियुक्ति से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और युवा नेतृत्व के सहारे राजद जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ और मजबूत करेगा। तेजस्वी यादव पहले से ही पार्टी के प्रमुख चेहरों में शामिल रहे हैं, लेकिन अब कार्यकारी अध्यक्ष का दायित्व मिलने से संगठनात्मक मामलों में उनकी भूमिका निर्णायक हो गई है। राजद सूत्रों के अनुसार, कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में तेजस्वी यादव संगठन विस्तार, चुनावी रणनीति और राजनीतिक दिशा तय करने की जिम्मेदारी निभाएंगे। पार्टी को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में संगठन अधिक सक्रिय, आक्रामक और समन्वित तरीके से कार्य करेगा।

रोहिणी आचार्य की सोशल मीडिया प्रतिक्रिया

तेजस्वी यादव की नियुक्ति के बाद लालू प्रसाद यादव की पुत्री रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर प्रतिक्रिया देते हुए तीखा तंज कसा। उन्होंने पार्टी की मौजूदा स्थिति और नेतृत्व परिवर्तन को लेकर टिप्पणी करते हुए कहा कि लालू प्रसाद यादव की विचारधारा और वंचित तबकों के लिए किए गए संघर्ष की वास्तविक समझ रखने वालों को मौजूदा हालात पर सवाल उठाने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सामाजिक-आर्थिक न्याय की विरासत को आगे बढ़ाने की चिंता करने वाले लोग परिणामों की परवाह किए बिना अपनी बात रखना जारी रखेंगे।

आगामी चुनावों पर दिख सकता है असर

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस फैसले का असर आने वाले चुनावों पर साफ तौर पर दिखाई दे सकता है। वरिष्ठ पत्रकारों और जानकारों के अनुसार, राजद अब पूरी तरह चुनावी मोड में आ चुकी है और यह नियुक्ति पार्टी की आगामी राजनीति की रूपरेखा तय करने वाला कदम साबित हो सकती है। राजद के इस निर्णय के बाद प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। आने वाले दिनों में इस संगठनात्मक बदलाव के राजनीतिक संकेतों और चुनावी प्रभावों को लेकर चर्चाएं और तेज होने की संभावना जताई जा रही है।

अग्रणी राष्ट्र बनने की कतार में भारत: मोहन भागवत

- कहा- आपसी भरोसे से दूर होगा भय और असुरक्षा का वातावरण

- भारत की चौतरफा तरक्की से कुछ शक्तियों को हो रहा नुकसान

एजेंसी | पटना

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आरएसएस के सर संघचालक डॉ. मोहनराव भागवत ने कहा कि भारत के विश्व स्तर पर अग्रणी राष्ट्र बनने की पूरी संभावना बन रही है, लेकिन इस मार्ग में चुनौतियां भी कम नहीं हैं। उन्होंने संकेत दिया कि कुछ शक्तियों को भारत की प्रगति स्वीकार्य नहीं है और वे विभिन्न तरीकों से उसके विकास में अवरोध उत्पन्न करने का प्रयास कर रही हैं। डॉ. भागवत रविवार को मुजफ्फरपुर जिले के बोचहा प्रखंड स्थित गरहा में आयोजित सामाजिक सद्भाव विचार गोष्ठी सह संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भय और असुरक्षा को दूर करने के लिए आत्मनिर्भरता और आपसी विश्वास आवश्यक है। समाज जितना अधिक संगठित और आत्मनिर्भर होगा, उतनी ही आसानी से समस्याओं का समाधान संभव होगा। संवाद सत्र के दौरान डॉ. भागवत ने उपस्थित लोगों से अपनी-अपनी जाति और बिरादरी के उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयासों तथा अन्य समुदायों की समस्याओं के समाधान में सहयोग से जुड़े अनुभव साझा करने को कहा। कार्यक्रम में क्षेत्र कार्यवाह मोहन सिंह, क्षेत्र संघचालक देवव्रत पाहन, उत्तर बिहार संघचालक गौरीशंकर प्रसाद, प्रांत प्रचारक रविशंकर सिंह, चंद्रमोहन खन्ना और वाल्मीकि विमल सहित अनेक स्वयंसेवक एवं गणमान्य उपस्थित रहे। उन्होंने सामाजिक समरसता पर जोर देते हुए कहा कि विश्व और समाज दोनों के लिए सद्भाव अनिवार्य है। यदि समाज में आपसी सौहार्द नहीं रहेगा तो टकराव और संघर्ष अपरिहार्य हो जाएंगे। इतिहास का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत कभी किसी विदेशी शक्ति की सैन्य ताकत से पराजित नहीं हुआ, बल्कि आंतरिक विभाजन का लाभ उठाकर विदेशी शक्तियों ने शासन स्थापित किया।

व्यापार जगत

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति की घोषणा 27 जनवरी को संभावित

- भारत को मिलने जा रही 'मदर ऑफ ऑल डील्स'

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत और यूरोपीय संघ के बीच लंबे समय से चली आ रही मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता अब निर्णायक चरण में पहुंच गई है। दोनों पक्ष 27 जनवरी को औपचारिक रूप से इस बात की घोषणा कर सकते हैं कि समझौते पर बातचीत पूरी हो चुकी है और इसे अंतिम रूप दे दिया गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, वैश्विक व्यापार में जारी अनिश्चितताओं के बीच यह समझौता भारत और यूरोपीय संघ के आर्थिक रिश्तों को नई मजबूती देगा। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल पहले ही इसे अब तक की सबसे बड़ी व्यापारिक डील बताते हुए "मदर ऑफ ऑल डील्स" की संज्ञा दे चुके हैं। इसी क्रम में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन चार दिवसीय भारत दौरे पर हैं। वह यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा के साथ 27 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिखर वार्ता करेंगी, जिसमें एफटीए को लेकर औपचारिक सहमति की घोषणा होने की संभावना है।

90% वस्तुओं पर मिलेगी भारी राहत

भारत-ईयू एफटीए की बातचीत वर्ष 2007 में शुरू हुई थी और करीब 18 वर्षों बाद यह अंतिम मुकाम पर पहुंची है। प्रस्तावित समझौते के तहत दोनों पक्ष 90 प्रतिशत से अधिक वस्तुओं पर आयात शुल्क में कटौती या समाप्ति पर सहमत होंगे। कपड़ा और फुटवियर जैसे श्रम प्रधान क्षेत्रों को तत्काल लाभ मिलने की संभावना है, जबकि अन्य उत्पादों पर शुल्क चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा।

कानूनी समीक्षा के बाद होंगे हस्ताक्षर

हालांकि, वार्ता पूरी होने की घोषणा इसी सप्ताह हो सकती है, लेकिन समझौते पर हस्ताक्षर कानूनी समीक्षा के बाद आपसी सहमति से तय तिथि पर किए जाएंगे। इसके क्रियान्वयन के लिए यूरोपीय संसद की मंजूरी आवश्यक होगी, जबकि भारत में इसे केंद्रीय मंत्रिमंडल से स्वीकृति मिलनी होगी।

शेयर व कमोडिटी बाजार में आज नहीं होगा कारोबार

- बजट के दिन एक फरवरी (रविवार) को खुले रहेंगे एक्सचेंज

नई दिल्ली। 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश के प्रमुख शेयर बाजारों—बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई)—में कारोबार नहीं होगा। राष्ट्रीय अवकाश के चलते सोमवार को शेयर बाजार के सभी प्रमुख सेगमेंट बंद रहेंगे। इसी के साथ कमोडिटी बाजार में भी पूरे दिन ट्रेडिंग स्थगित रहेगी। एक्सचेंजों की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, अवकाश के कारण बीएसई में इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स, करेंसी डेरिवेटिव्स, सिक्योरिटीज लेंडिंग एंड बॉरोइंग, एनडीएस-आरएसटी, ट्राई पार्टी रेपो, इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीप्ट्स और कमोडिटी डेरिवेटिव्स सहित सभी सेगमेंट में लेनदेन नहीं होगा। इसी तरह एनएसई में भी इक्विटी, डेरिवेटिव्स, कॉरपोरेट बॉन्ड, म्यूचुअल फंड, करेंसी और कमोडिटी डेरिवेटिव्स समेत सभी कारोबारी गतिविधियां बंद रहेंगी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी सुबह और शाम—दोनों सत्रों में ट्रेडिंग नहीं होगी। हालांकि, बजट दिवस को लेकर निवेशकों के लिए अहम सूचना यह है कि 1 फरवरी को रविवार होने के बावजूद शेयर बाजार खुले रहेंगे। परंपरा के अनुसार आम बजट के दिन बीएसई और एनएसई में कारोबार जारी रहता है।

शनिवार-रविवार को पड़ रही हैं चार छुट्टियां

गौरतलब है कि 2026 में शेयर बाजार के लिए कुल 16 अवकाश घोषित किए गए हैं, जिनमें से चार छुट्टियां शनिवार या रविवार को पड़ने के कारण साप्ताहिक अवकाश में ही समाहित होंगी। मार्च माह में सबसे अधिक तीन अवकाश रहेंगे—होली, श्रीराम नवमी और श्रीमहावीर जयंती के अवसर पर। वहीं फरवरी, जुलाई और अगस्त में कोई अतिरिक्त राष्ट्रीय अवकाश नहीं होगा, क्योंकि इन महीनों में घोषित छुट्टियां सप्ताहांत पर पड़ रही हैं।

शिखर पर सोना, कीमत 1.60 लाख रुपए

सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन चांदी में दिखी नरमी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों ने एक बार फिर रिकॉर्ड ऊंचाई छू ली है। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन सोने में जोरदार तेजी दर्ज की गई, जिससे देश के अधिकांश प्रमुख बाजारों में इसके भाव 1.60 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गए। इसके उलट चांदी की कीमतों में आज गिरावट देखने को मिली है। आज के कारोबार में सोना 2,840 रुपए से 3,100 रुपए प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ। इस उछाल के चलते 24 कैरेट सोना विभिन्न बाजारों में 1,60,260 रुपए से 1,60,410 रुपए प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार करता नजर आया, जबकि 22 कैरेट सोने के भाव 1,46,900 रुपए से 1,47,050 रुपए प्रति 10 ग्राम के बीच रहे। दूसरी ओर, चांदी के दामों में 5,100 रुपए प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई और दिल्ली सर्राफा बाजार में यह 3,35,000 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई। साप्ताहिक आधार पर देखें तो बीते सप्ताह सर्राफा बाजार में भारी उतार-चढ़ाव के बावजूद दोनों कीमती धातुओं में मजबूती बनी रही। इस दौरान 24 कैरेट सोना 16,480 रुपए प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत में 15,100 रुपए प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

टॉप नौ कंपनियों का मार्केट कैप 2.51 लाख करोड़ घटा

- वैश्विक दबाव में दिग्गज कंपनियां, रिलायंस इंडस्ट्रीज को सर्वाधिक नुकसान
- टॉप 10 की एकमात्र कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर के पूंजीकरण में बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में बीते कारोबारी सप्ताह के दौरान जारी उतार-चढ़ाव और वैश्विक कारकों के असर से देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस अवधि में इन कंपनियों का संयुक्त मार्केट कैप 2.51 लाख करोड़ रुपए से अधिक घट गया, जबकि सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को उठाना पड़ा। वहीं, टॉप-10 सूची में शामिल सिर्फ एक कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर ऐसी रही, जिसके बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी दर्ज की गई। 19 से 23 जनवरी 2026 के बीच हुए कारोबार में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और लार्सन एंड टूब्रो के बाजार मूल्य में कुल 2,51,711.60 करोड़ रुपए की कमी आई। इसके विपरीत, हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 12,311.86 करोड़ रुपए की बढ़त दर्ज की गई। आंकड़ों के मुताबिक, रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण सबसे अधिक 96,960.17 करोड़ रुपए घटकर 18,75,533.04 करोड़ रुपए रह गया। आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 48,644.99 करोड़ रुपए घटकर 9,60,825.29 करोड़ रुपए पर आ गया। इसी तरह एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्य 22,923.02 करोड़ रुपए की गिरावट के साथ 14,09,611.89 करोड़ रुपए रह गया।

टीसीएस, एलएंडटी और बजाज में भी गिरावट

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का बाजार पूंजीकरण 16,588.93 करोड़ रुपए घटकर 11,43,623.19 करोड़ रुपए, लार्सन एंड टूब्रो का 15,248.32 करोड़ रुपए की गिरावट के साथ 5,15,161.91 करोड़ रुपए और बजाज फाइनेंस का 14,093.93 करोड़ रुपए घटकर 5,77,353.23 करोड़ रुपए रह गया। वहीं, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का मार्केट कैप 11,907.50 करोड़ रुपए घटकर 9,50,199.77 करोड़ रुपए और इंफोसिस का बाजार मूल्य 7,810.77 करोड़ रुपए की कमी के साथ 6,94,078.82 करोड़ रुपए पर आ गया। दूसरी ओर, कमजोर बाजार धारणा के बावजूद हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर मजबूती बनाए रखने में सफल रहे। कंपनी का बाजार पूंजीकरण सप्ताह के अंत तक 12,311.86 करोड़ रुपए बढ़कर 5,66,733.16 करोड़ रुपए हो गया।

सुपर-6 में ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका को 6 विकेट से रौंदा

ऑस्ट्रेलिया ने अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 का पहला सुपर-6 मुकाबला जीता

एजेंसी | नामिबिया

नामिबिया क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए सुपर-6 मैच में ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका को 6 विकेट से हराकर शानदार शुरुआत की। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीका की टीम 32.1 ओवरों में 118 रनों पर ढेर हो गई।

ऑस्ट्रेलिया ने 17.1 ओवर में आसान जीत हासिल की

जवाब में उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शुरुआती झटका लेते हुए 7 रन पर पहला विकेट गंवाया, लेकिन स्टीवन होगन और नितेश सैमुअल ने 38 रन की साझेदारी कर टीम को संभाला। होगन ने 43 रन की पारी खेली, जबकि एलेक्स ली यंग ने अंत में 28 रन की अटूट साझेदारी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से जीत दिलाई।

साउथ अफ्रीका की बल्लेबाजी रही कमजोर

साउथ अफ्रीका की शुरुआत बेहद खराब रही। पारी की दूसरी ही गेंद पर अरमान मनैक बिना खाता खोले आउट हो गए। कप्तान मोहम्मद बुलबुलिया ने जोरिच वान शाल्कविक के साथ 27 रन की साझेदारी करके टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन वे 19 रन बनाकर आउट हो गए। टीम ने केवल 118 रन ही बनाए। चार्ल्स लचमुंड ने साउथ अफ्रीकी बल्लेबाजों को 3 विकेट झटक कर ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत की नींव रखी।

खास आंकड़े

साउथ अफ्रीका : 118/10 (32.1 ओवर),ऑस्ट्रेलिया : 119/4 (32.5 ओवर),**सर्वाधिक विकेट :** चार्ल्स लचमुंड (3), जेजे बासन (3) **सर्वाधिक रन :** होगन (43), एलेक्स ली यंग (28*)

इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने सुपर-6 में शानदार आगाज किया और आगामी मुकाबलों में दबदबा बनाए रखने की दावेदारी जताई।

मुंबई रणजी टीम से बाहर रहे यशस्वी जायसवाल

मुंबई। भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को दिल्ली के खिलाफ मुंबई के आखिरी रणजी ट्रॉफी लीग मैच के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के सूत्रों के अनुसार, जायसवाल की अनियमित उपलब्धता और चयन प्रक्रिया के दौरान संपर्क करने पर जवाब न देना इस फैसले की प्रमुख वजह बनी। एमसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जायसवाल इस समय न तो न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज का हिस्सा हैं और न ही आगामी टी20 विश्व कप टीम में शामिल किए गए हैं। इसके बावजूद घरेलू क्रिकेट में उनकी भागीदारी को लेकर स्पष्टता नहीं मिल सकी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने यह स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जो खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में शामिल नहीं हैं, उन्हें घरेलू क्रिकेट में उपलब्ध रहना चाहिए। हालांकि एमसीए अधिकारियों के मुताबिक, ग्रुप चरण के कुछ मुकाबलों से पहले जायसवाल से उनकी उपलब्धता को लेकर संपर्क किया गया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। अधिकारी ने कहा, "हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच के चयन से पहले भी जायसवाल नॉन-रिस्पॉन्सिव रहे थे। इससे यह संकेत मिला कि वह चुनिंदा मुकाबले ही खेलना चाहते हैं।

उपलब्धता को लेकर एमसीए नाखुश

न्यूज ब्रीफ

परेल में जिला स्तरीय खो-खो स्पर्धा

मुंबई। मुंबई खो-खो एसोसिएशन के सौजन्य से परेल स्थित मैदान में जिला स्तरीय खो-खो स्पर्धा आयोजित की गई है। बैंक ऑफ इंडिया, मुंबई पुलिस, नेवल डॉक, महावितरण, रचना नोटरी और विद्यार्थी क्रीड़ा केन्द्र ने अपने-अपने पहले मुकाबलों में जीत हासिल की। बैंक ऑफ इंडिया और मनपा की टीम के बीच दिन का सबसे रोचक मुकाबला रहा, जिसमें बैंक ऑफ इंडिया की 15-14 से जीत रही। अन्य मैचों में मुंबई पुलिस ने डीडी एडवर्टाईजिंग की टीम को 20-15 से, नेवल डॉक ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को 14-13 से, रचना नोटरी की टीम ने गंधेकर इलेक्ट्रिकल्स को 15-13 से और विद्यार्थी क्रीड़ा केन्द्र ने श्री समर्थ विद्यामंदिर को 13-1 से मात दी।

रणजी ट्रॉफी 2025-26: बंगाल ने सर्विसेज को पारी और 46 रन से हराया, क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी 2025-26 के एलीट ग्रुप सी मुकाबले में बंगाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सर्विसेज को पारी और 46 रन से करारी शिकस्त दी और क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। इस जीत के साथ बंगाल 30 अंकों के साथ ग्रुप सी की अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। वहीं दूसरे स्थान के लिए हरियाणा, सर्विसेज और उत्तराखंड के बीच मुकाबला बना हुआ है। बंगाल ने पहली पारी में 519 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में सर्विसेज की टीम 186 रन पर सिमट गई, जिसके बाद उसे फॉलो-ऑन खेलना पड़ा। दूसरी पारी में भी सर्विसेज 287 रन ही बना सकी और बंगाल ने मुकाबला पारी और 46 रन से अपने नाम कर लिया। तीसरे दिन तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 16 ओवर में 51 रन देकर पांच विकेट झटके। शमी के इस प्रदर्शन ने लाल गेंद के क्रिकेट में उनकी उपयोगिता को एक बार फिर साबित किया। वहीं अनुभवी बल्लेबाज सुदीप चटर्जी ने अपने प्रथम श्रेणी करियर का पहला दोहरा शतक जड़ते हुए बंगाल की पारी को मजबूती दी। सर्विसेज की दूसरी पारी में कप्तान रजत पालीवाल ने 83 रन बनाए और मोहित अहलावत (62) के साथ चौथे विकेट के लिए 119 रन की साझेदारी की। निचले क्रम में जयंत गोयत ने नाबाद 68 रन बनाकर कुछ देर तक हार टाली। बंगाल की गेंदबाजी में शमी के अलावा सूरज सिंधु जायसवाल और आकाश दीप भी प्रभावशाली रहे। इस जीत के साथ बंगाल ने संतुलित बल्लेबाजी और घातक गेंदबाजी के दम पर क्वार्टर फाइनल में आत्मविश्वास के साथ प्रवेश किया है।

टाटा स्टील मास्टर्सः गुकेश को गिरी से मिली एक और हार

एजेंसी | विज्क आन जी (नीदरलैंड)

विश्व चैंपियन डी गुकेश को यहां टाटा स्टील मास्टर्स के सातवें दौर में स्थानीय स्टार अनीश गिरी से हार का सामना करना पड़ा जो उनकी लगातार दूसरी और टूर्नामेंट में कुल तीसरी हार है। यह दिन भारतीय खिलाड़ियों के लिए मुश्किल रहा। अर्जुन एरिगैसी को तुर्की के यागिज कान एरदोगमुस के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। तुर्की के खिलाड़ी ने शानदार खेल दिखाते हुए दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी और शीर्ष वरीय अर्जुन को मात दी। अरविंद चितंबरम को भी काले मोहरों से खेलते हुए नीदरलैंड के एक अन्य खिलाड़ी जोर्डन वान फोरेस्ट के खिलाफ हार मिली जबकि आर प्रज्ञानानंदा को जर्मनी के मथियास ब्लूबाउम ने ड्रॉ पर रोक दिया। 14 खिलाड़ियों के 13 राउंड वाले इस टूर्नामेंट में अभी छह राउंड बाकी हैं। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने टूर्नामेंट का अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ खेल खेलते हुए पूरे एक अंक की बढ़त हासिल कर ली। अब्दुसत्तोरोव ने काले मोहरों से खेलते हुए जर्मनी के विन्सेंट कीमर को बेहतरीन अंदाज में हराया। वह 5.5 अंक के साथ स्पष्ट बढ़त बनाए हुए हैं। विश्व कप विजेता और उनके ही साथी जावोखिर सिंदारोव 4.5 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। एरदोगमुस, वान फोरेस्ट, अमेरिका के हंस मोके नीमन और स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेदोसेयेव चार-चार अंक से संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। ये ब्लूबाउम और कीमर से आधा अंक आगे हैं। गुकेश, अर्जुन और गिरी तीन-तीन अंक के साथ संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर हैं। प्रज्ञानानंदा 2.5 अंक के साथ अभी अपनी पहली जीत की तलाश में हैं जबकि अरविंद केवल दो अंकों के साथ तालिका में अंतिम स्थान पर हैं।

टी-20 विश्व कप में भागीदारी सरकार की सलाह पर निर्भरः क्रिकेट बोर्ड

एजेंसी | लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने रविवार को यह स्पष्ट किया कि टीम की घोषणा का मतलब यह नहीं है कि देश ने अगले महीने होने वाले आईसीसी टूर्नामेंट में भाग लेने का फैसला कर लिया है। नकवी ने दोहराया कि पीसीबी पाकिस्तान सरकार की स्थिति जानने का इंतजार कर रहा है ताकि टी20 विश्व कप में देश की भागीदारी पर निर्णय लिया जा सके। यह टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका में आयोजित होने वाला है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शनिवार को बांग्लादेश को

आगामी टी20 विश्व कप से बाहर कर दिया और उनकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया। बांग्लादेश के बोर्ड ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए अपनी टीम को भारत भेजने से मना किया था जो मुस्तफिजुर रहमान के आईपीएल से हटाए जाने के बाद उत्पन्न स्थिति से जुड़ा था। नकवी ने चयन के बाद खिलाड़ियों और मुख्य कोच माइक हेसन से बैठक में कहा, 'हम सरकार की सलाह का इंतजार कर रहे हैं और जो भी सरकार हमें करने के लिए कहेगी, हम करेंगे। अगर वे नहीं चाहते कि हम विश्व कप में जाएं, तो हम उनका पालन करेंगे।'पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप के लिए रविवार को सलमान अली आगा की अगुवाई वाली 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया।बैठक में नकवी ने खिलाड़ियों को यह भी बताया कि बांग्लादेश का भारत में मैच नहीं खेलने का निर्णय एक सिद्धांतपरक फैसला है।

माटुंगा क्लब स्पोर्ट्स मीट: MPL-2026 का भव्य उद्घाटन, खेल और एकता का उत्सव

खेल महोत्सव की जोशीली शुरुआत

मुंबई। सेंट्रल रेलवे ऑफिसर्स क्लब (CROC), माटुंगा ने माटुंगा क्लब स्पोर्ट्स मीट - MPL 2026 का भव्य उद्घाटन 24 जनवरी को क्लब के टर्फ ग्राउंड में किया। इस आयोजन के साथ खेल महोत्सव की जोशीली शुरुआत हुई, जो ऑफिसर्स और उनके परिवारों के बीच स्पोर्ट्समैनशिप, एकता और फिटनेस का उत्सव मनाता है।

मुख्य अतिथि और आयोजकों की सराहना

अध्यक्ष पी. एन. रामचंद्रन के नेतृत्व में आयोजित उद्घाटन समारोह में सेंट्रल रेलवे के रिटायर्ड चीफ इंजीनियर संजीव कुलश्रेष्ठ मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कार्यकारी समिति की अथक मेहनत, बेहतरीन नियोजन और समर्पण की सराहना की और इसे खूबसूरती से आयोजित खेल महोत्सव बताया।

समन्वय और आयोजन में अहम भूमिका

जनरल सेक्रेटरी मंगेश काशिमकर और स्पोर्ट्स सेक्रेटरी तुषार गरुड़ ने आयोजन, समन्वय और कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यकारी समिति और स्वयंसेवकों – विजय शर्मा, अशोक रामचंदानी, सुशांत पांडा, एस. भाविकट्टी, जीतू यादव, डॉ. आशय अमलेकर, श्रीनिवास चारी, महादेव शास्त्री, प्रविण पाटिल और रविशंकर – के संयुक्त प्रयासों से आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह में मंगेश काशिमकर ने कहा, स्पोर्ट्स सिर्फ़ एक प्रतियोगिता नहीं है, यह अनुशासन, समर्पण और सांघिक जोश का जश्न है।

बॉ ली वु ड

गलतियों से लिया सबक, 48 की उम्र में बिना शादी खुश हैं दिव्या दत्ता

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री दिव्या दत्ता पिछले तीन दशकों से फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। पर्दे पर उन्होंने प्रेमिका से लेकर पत्नी तक हर तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन निजी जिंदगी में उन्होंने अब तक शादी नहीं करने का फैसला किया है। 48 वर्ष की दिव्या का कहना है कि वह बिना शादी के भी पूरी तरह खुश और संतुष्ट हैं, हालांकि वह आज भी प्यार और समझदारी भरे रिश्ते के लिए खुली हैं। एक इंटरव्यू में दिव्या दत्ता ने सिंगल रहने के अपने फैसले पर खुलकर बात की। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'यह फैसला मैंने बहुत सी गलतियों से सीख लेकर लिया है।' दिव्या ने स्वीकार किया कि उन्होंने जिंदगी में कई बार प्यार को तलाशने की कोशिश की, लेकिन शादी या लंबे रिश्ते के लिए गहरी समझ, धैर्य और एक-दूसरे को संभालने की क्षमता जरूरी होती है। दिव्या के मुताबिक, एक अभिनेता की जिंदगी आम लोगों से अलग होती है। काम का कोई तय समय नहीं होता और निजी जीवन हमेशा सार्वजनिक नजरों में रहता है। ऐसे में उन्हें ऐसा साथी चाहिए जो आत्मविश्वासी हो, उनकी प्रोफेशनल जिंदगी को समझे और हर परिस्थिति में उनका साथ निभाए। उन्होंने कहा कि यह आसान संयोजन नहीं होता और उनके पिछले रिश्तों में यह संतुलन बन नहीं पाया। अभिनेत्री ने यह भी माना कि उनकी जिंदगी में कुछ बेहद अच्छे लोग आए, लेकिन समय के साथ यह समझ में आया कि वे उनके लिए सही नहीं थे। कोरोना काल के दौरान आत्ममंथन के बाद वह इस नतीजे पर पहुंचीं कि उन्हें बाहर से खुशी या प्यार तलाशने की जरूरत नहीं है। हालांकि दिव्या ने साफ किया कि वह आज भी प्यार के लिए तैयार हैं, लेकिन शादी को लेकर अब उनका नजरिया बदल चुका है। उनका कहना है कि रिश्ते में आज़ादी, सम्मान और समझ सबसे ज़्यादा मायने रखती है।

बोलीं– प्यार चाहिए, बंधन नहीं

बॉक्स ऑफिस पर 'बॉर्डर 2' का धमाका, दो दिनों में की शानदार कमाई

सनी देओल की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बॉर्डर 2' ने रिलीज के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त रफ्तार पकड़ ली है। देशभक्ति के जज्बे और दमदार एक्शन से सजी इस फिल्म ने दूसरे दिन भी अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी और महज दो दिनों में 72.69 करोड़ रुपये की कमाई कर डाली। सिनेमाघरों में दर्शकों की भारी भीड़ इस बात का सबूत है कि फिल्म को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है।

दूसरे दिन कमाई में आया बड़ा उछाल

सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, 'बॉर्डर 2' ने रिलीज के दूसरे दिन यानी शनिवार को फिल्म ने 40.59 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही फिल्म की दो दिनों की कुल कमाई 72.69 करोड़ रुपये की कर चुकी है। फिल्म ने पहले दिन 32.10 करोड़ रुपये की शानदार ओपनिंग ली थी। इस तेज रफ्तार कमाई के साथ फिल्म ने 2025 की बड़ी हिट मानी जा रही 'धुरंधर' के कई रिकॉर्ड्स को भी चुनौती दे दी है।

अब वीकेंड और गणतंत्र दिवस पर टिकी निगाहें

हालांकि दो दिनों में इतनी बड़ी कमाई अपने आप में बड़ी उपलब्धि है, लेकिन फिल्म का असली इम्तिहान अब रविवार और 26 जनवरी, गणतंत्र दिवस को होने वाला है। ट्रेड एक्सपर्ट्स का मानना है कि आने वाले दिनों में 'बॉर्डर 2' कई पुराने बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड्स को तोड़ सकती है। रविवार की छुट्टी और देशभक्ति की भावना से जुड़े गणतंत्र दिवस के चलते फिल्म को जबरदस्त फायदा मिलने की पूरी उम्मीद है।

फरवरी में फिल्मों की बहार: 'ओ रोमियो' से 'तू या मैं' तक, 8 फिल्मों के बीच बॉक्स ऑफिस की जंग

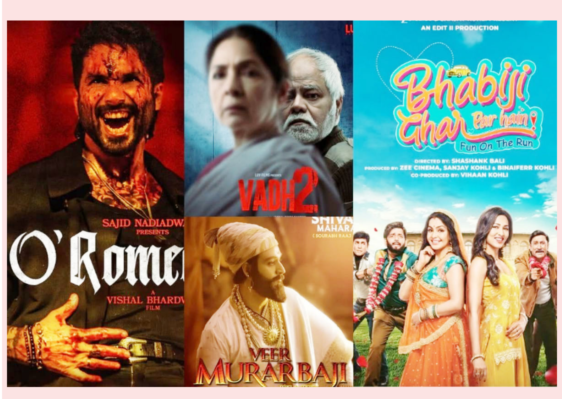

जनवरी के बाद अब फरवरी का महीना सिनेमाप्रेमियों के लिए खास रहने वाला है। फरवरी 2026 में थिएटर्स में कुल 8 फिल्में रिलीज होने जा रही हैं, जिनमें एक्शन, रोमांस और ड्रामा का पूरा तड़का देखने को मिलेगा। खास बात यह है कि इनमें से 3 फिल्में एक ही दिन रिलीज होकर बॉक्स ऑफिस पर आमने-सामने होंगी। 6 फरवरी को एक साथ तीन फिल्में दर्शकों के सामने आएंगी। इनमें टीवी शो पर आधारित 'भाबीजी घर पर हैंः फन ऑन द रन', नीना गुप्ता और संजय मिश्रा स्टारर 'वध 2', और रुद्र जादौन के निर्देशन में बनी 'पारो पिनाकी की कहानी' शामिल हैं। एक ही दिन रिलीज होने के चलते इन फिल्मों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी। 13 फरवरी को भी बड़ा क्लैश तय है। शाहिद कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'ओ रोमियो' उसी दिन रिलीज होगी, जिस दिन शनाया कपूर और आदर्श गौरव की फिल्म 'तू या मैं' सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसके बाद 19 फरवरी को 'वीर मुरारबाजीः द बैटल ऑफ पुरंदर', 20 फरवरी को सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर की फिल्म 'दो दीवाने सहर में', और 27 फरवरी को 'बियॉन्ड द केरला स्टोरी' रिलीज होगी। कुल मिलाकर फरवरी का महीना बॉक्स ऑफिस पर रोमांच से भरा रहने वाला है।

हम न्याय संस्था के स्वामी नहीं, केवल अस्थायी संरक्षक हैं: CJI सूर्यकांत

एजेंसी | गोवा

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि न्याय एक जीवंत संस्था है, जिसे निरंतरता और परिवर्तन के बीच संतुलन बनाकर ही जीवित रखा जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून न तो बदलाव का विरोध कर सकता है और न ही बिना सोच-विचार के हर नवीनता को अपनाना चाहिए, क्योंकि दोनों ही स्थितियां उसके नैतिक मूल को कमजोर कर देती हैं।

गोवा में आयोजित दो दिवसीय SCAORA अंतरराष्ट्रीय विधि सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए CJI ने कहा कि हर कानूनी व्यवस्था सदियों के संघर्ष, बहस, समझौते और नैतिक साहस की विरासत है। उन्होंने कहा कि आज की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि एक ऐसी दुनिया में न्याय अपने मूल सिद्धांतों के प्रति वफादार कैसे बना रहे, जो स्थिर रहने से इनकार करती है।

परंपरा और परिवर्तन के संतुलन पर CJI की दो टूक

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, "हममें से किसी ने भी उन अदालतों या प्रक्रियाओं का निर्माण नहीं किया, जिन पर हम भरोसा करते हैं। यह विरासत हमें विशेषाधिकार तो देती है, लेकिन साथ ही संयम और जिम्मेदारी भी सौंपती है। हमें यह याद रखना चाहिए कि हम न्याय संस्था के स्वामी नहीं, बल्कि केवल अस्थायी संरक्षक हैं।" उन्होंने जोर देकर कहा कि परिवर्तन से दूरी बनाने वाला कानून शुद्ध नहीं रह पाता, जबकि बिना विवेक के नवाचार को अपनाने वाला कानून अपने नैतिक केंद्र को खो देता है। CJI ने कहा कि तकनीक, वैश्वीकरण और सोशल मीडिया जैसे कारक न्याय प्रणाली पर नए दबाव पैदा कर रहे हैं, लेकिन ये खतरे नहीं, बल्कि संस्थागत लचीलापन परखने वाले परीक्षण हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि ये दबाव न्यायपालिका की स्वतंत्रता से जुड़े नहीं हैं। अदालतों से अपेक्षा की जा रही है कि वे तेज भी हों और सतर्क भी, सुलभ भी हों और संयमित भी। उनके अनुसार, एक जीवंत संस्था वही है जो अपना स्वरूप खोए बिना दबाव को आत्मसात कर ले।

झारखंड में AIMIM का विस्तार

पूर्व विधायक अकील अख्तर हुए शामिल

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) ने झारखंड में अपनी राजनीतिक मौजूदगी को और मजबूत करते हुए एक अहम कदम उठाया है। पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक अकील अख्तर ने AIMIM की सदस्यता ग्रहण कर ली है। उन्होंने हैदराबाद स्थित पार्टी मुख्यालय दारुस्सलाम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी की मौजूदगी में AIM-IM का दामन थामा।

पार्टी में शामिल होने के बाद अकील अख्तर ने कहा कि AIMIM देश के अल्पसंख्यक, वंचित और कमजोर वर्गों की आवाज को मजबूती से उठाने वाली पार्टी है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके जुड़ने से झारखंड में संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी।

राजनीतिक सफर रहा उतार-चढ़ाव भरा

AIMIM अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने अकील अख्तर का स्वागत करते हुए कहा कि उनके राजनीतिक अनुभव से झारखंड में पार्टी के विस्तार को नई दिशा मिलेगी। इस मौके पर AIMIM के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद शाकिर, प्रदेश महासचिव (संगठन) महताब आलम, प्रदेश महासचिव इंतेखाब अंसारी, प्रदेश कोषाध्यक्ष कैसर इमाम और कोल्हान डिवीजन इंचार्ज सालिक जावेद भी मौजूद रहे।

अकील अख्तर ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) से की थी, लेकिन बाद में उन्हें पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने ऑल झारखंड स्टूडेंट पार्टी का रुख किया।

अशोक चक्र से सम्मानित हुए शुभांशु शुक्ला

नई दिल्ली। भारत के अंतरिक्ष इतिहास में नया स्वर्णिम अध्याय जोड़ने वाले ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को उनके असाधारण साहस और योगदान के लिए अशोक चक्र से सम्मानित किया गया है। यह देश का सर्वोच्च शांतिकालीन वीरता सम्मान उन्हें जून 2025 में संपन्न Axiom Mission-4 (Ax-4) में निभाई गई अहम भूमिका के लिए मिला, जिसने चार दशकों बाद किसी भारतीय की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) पर वापसी संभव बनाई। 25 जून 2025 को स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्षयान 'Grace' से लॉन्च हुए शुभांशु शुक्ला ने 18 दिनों तक अंतरिक्ष में रहते हुए 60 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोगों में भाग लिया।

सेहत और कमाई दोनों निगल रहा है प्रदूषण : राहुल गांधी

एजेंसी | नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने देश में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण की कीमत देश के आम नागरिक अपने स्वास्थ्य और आजीविका के रूप में चुका रहे हैं। करोड़ों लोग हर दिन इस संकट का सामना कर रहे हैं, जिसमें सबसे ज्यादा असर बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ रहा है।

राहुल गांधी ने कहा कि प्रदूषण सिर्फ स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि एक आर्थिक समस्या भी बन चुका है। खासतौर पर निर्माण श्रमिकों, दिहाड़ी मजदूरों और खुले में काम करने वाले लोगों की कमाई पर इसका सीधा असर पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस संकट को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और न ही इसे अगली सर्दी तक टालने से समाधान निकलेगा।

आवाज़ उठाना जरूरी: राहुल गांधी

राहुल गांधी ने कहा कि बदलाव की दिशा में पहला कदम अपनी आवाज उठाना है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे आगे आएं और बताएं कि वायु प्रदूषण ने उन्हें या उनके परिवार को किस तरह प्रभावित किया है। इसी के तहत उन्होंने एक लिंक भी साझा किया है, जिसके जरिए लोग अपने अनुभव साझा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जनता की आवाज को बुलंद करना उनका कर्तव्य है।

100 दिन बाद दिल्ली की हवा में राहत

इस बीच, दिल्ली-एनसीआर में करीब 100 दिन बाद वायु गुणवत्ता में सुधार दर्ज किया गया है। हालिया बारिश के बाद प्रदूषण के स्तर में कमी आई है। शनिवार को दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 242 से 256 के बीच रहा, जो दोपहर बाद घटकर करीब 190 तक पहुंच गया। वहीं, रविवार दोपहर को AQI 155 दर्ज किया गया।

न्यूज़ ब्रीफ

अमेरिका में ईरानी नेता की बेटी को नौकरी से हटाया गया

अटलांटा। अमेरिका की एमोरी यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन ने ईरान के सीनियर अधिकारी अली लारीजानी की बेटी फातेमेह अर्देशीर-लारीजानी को उनके पद से हटा दिया है। अली लारीजानी ईरान के नेशनल सिक्योरिटी चीफ और अयातुल्लाह अली खामेनेई के सलाहकार हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका में ईरानी-अमेरिकी नागरिकों ने विनशिप कैंसर इंस्टीट्यूट के बाहर प्रदर्शन किया था। उनका कहना था कि ईरानी सत्ता से जुड़े किसी व्यक्ति के परिवार को नौकरी पर रखना उचित नहीं है। जॉर्जिया से सांसद बडी कार्टर ने भी फातेमेह को यूनिवर्सिटी से हटाने और उनके मेडिकल लाइसेंस को रद्द करने की मांग की थी। एमोरी यूनिवर्सिटी की डीन सैंड्रा वॉन्ग ने 24 जनवरी को फैकल्टी सदस्यों को ईमेल भेजकर कहा कि फातेमेह अब यूनिवर्सिटी की कर्मचारी नहीं हैं। इसके बाद उनकी प्रोफाइल एमोरी की फैकल्टी और हेल्थकेयर वेबसाइट से हटा दी गई। यूनिवर्सिटी ने इसे पर्सनल मैटर बताया। हटाए जाने से पहले फातेमेह हेमेटोलॉजी और मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में काम कर रही थीं। उनका हटना अमेरिका और ईरान के बीच हालिया राजनीतिक तनाव और विरोधों के बीच आया है।

शेख हसीना के भाषण पर बांग्लादेश ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली। भारत में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में शेख हसीना के भाषण को लेकर बांग्लादेश सरकार ने कड़ा विरोध जताया है। ढाका ने कहा कि उन्हें इस बात पर "हैरानी और स्तब्धता" है कि भगोड़ी पूर्व प्रधानमंत्री को दिल्ली में भाषण देने की अनुमति दी गई। बांग्लादेश का मानना है कि हसीना के बयान देश की शांति, सुरक्षा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। सरकारी बयान में कहा गया कि हसीना ने 23 जनवरी को दिल्ली में न केवल वर्तमान बांग्लादेश सरकार को हटाने की बात की, बल्कि अपने समर्थकों और आम जनता को हिंसा और आतंकवाद के लिए उकसाया। ढाका ने इसे आगामी आम चुनावों को प्रभावित करने की साजिश का हिस्सा बताया। बांग्लादेश ने आरोप लगाया कि भारत ने बार-बार अनुरोध और द्विपक्षीय प्रत्यर्पण समझौते के बावजूद हसीना को प्रत्यर्पित नहीं किया और उन्हें भड़काऊ बयान देने की अनुमति दी। इसे बांग्लादेश की संप्रभुता और अच्छे पड़ोसी संबंधों का उल्लंघन बताया गया। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार चला रहे हैं। देश में आम चुनाव 12 फरवरी 2026 को होने वाले हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नसीरुद्दीन ने इस तारीख का ऐलान पिछले साल किया था

हैदराबाद अग्निकांड

फर्नीचर दुकान के बेसमेंट में जिंदा जले पांच लोग, 22 घंटे बाद मिले शव

एजेंसी | हैदराबाद

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के नामपल्ली इलाके में शनिवार को एक चार मंजिला फर्नीचर दुकान में लगी भीषण आग में पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में दो बच्चे भी शामिल हैं। करीब 22 घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद रविवार सुबह पुलिस और राहत टीमों ने इमारत के बेसमेंट से पांचों शव बरामद किए।

जानकारी के अनुसार, शनिवार दोपहर फर्नीचर शॉप के बेसमेंट में अचानक आग लग गई। लकड़ी, रेक्सिन और ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई और कुछ ही देर में पूरी इमारत इसकी चपेट में आ गई। सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड और अन्य आपदा राहत टीमें मौके पर पहुंचीं। करीब छह घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन इमारत में घना धुआं भर जाने के कारण अंदर प्रवेश करना संभव नहीं हो सका।

धुएं के बाद मौत का मंजर

घंटों तक धुआं छंटने का इंतजार किया गया। हालात सामान्य होने के बाद रविवार सुबह रेस्क्यू टीम बेसमेंट में दाखिल हुई, जहां से पांच शव बरामद किए गए। मृतकों की पहचान बेबी (45), अखिल (11), पणीत (8), इम्तियाज (28) और हबीब (32) के रूप में हुई है। हबीब फर्नीचर दुकान के मालिक का ड्राइवर बताया जा रहा है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया अस्पताल के मुर्दाघर भेज दिया गया है। घटना के बाद से मृतकों के परिजनों में शोक की लहर है। फायर DG विक्रम सिंह मान ने बताया कि बेसमेंट में फर्नीचर के साथ-साथ रेक्सिन और कुछ केमिकल भी अवैध रूप से रखे गए थे।

जिम धर्मांतरण मामला

इमरान खान को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

मिर्जापुर। मिर्जापुर में जिम के आड़ में अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल और धर्मांतरण कराने के गिरोह के मुख्य सरगना इमरान खान को पुलिस ने दिल्ली से मिर्जापुर लाकर गिरफ्तार किया। आरोपी को शाम 4 बजे मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) कोर्ट में पेश किया गया, जहां उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस मामले में अब तक पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के बैंक खाते सीज किए गए हैं और कई गाड़ियां बरामद की गई हैं। इमरान को लुक आउट नोटिस जारी होने के बाद दिल्ली एयरपोर्ट से पकड़ा गया था।

भारी बर्फबारी से जम्मू-कश्मीर में यातायात बाधित, रेलवे चलाएगा स्पेशल ट्रेन

एजेंसी | जम्मू

जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही भारी बर्फबारी के कारण सड़क और हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। ऐसे में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उत्तरी रेलवे के जम्मू डिवीजन ने बड़ा फैसला लिया है। रेलवे ने श्री माता वैष्णो देवी (एसएमवीडी) कटरा से श्रीनगर के बीच 27 और 28 जनवरी को विशेष आरक्षित ट्रेनें चलाने की घोषणा की है।

जम्मू के डिवीजनल रेलवे मैनेजर विवेक कुमार के निर्देश पर यह निर्णय लिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, 27 और 28 जनवरी को वंदे भारत ट्रेनें उपलब्ध नहीं होने के कारण यह विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि यात्रियों को कश्मीर आने-जाने में परेशानी न हो।

गौरतलब है कि जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग, जो कश्मीर को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाला एकमात्र ऑल-वेदर मार्ग है, बनिहाल सेक्टर में भारी बर्फबारी के चलते दो दिनों तक बंद रहा। रविवार को इसे आंशिक रूप से खोला गया। वहीं, कश्मीर घाटी में बर्फबारी के कारण हवाई सेवाएं भी प्रभावित रहीं। मौसम विभाग ने 26 जनवरी से 27 जनवरी की शाम तक कश्मीर के अधिकांश इलाकों और जम्मू के ऊपरी क्षेत्रों में फिर से बर्फबारी की चेतावनी दी है।

स्पेशल ट्रेन का शेड्यूल

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, 27 जनवरी को स्पेशल आरक्षित ट्रेन सुबह 8:10 बजे एसएमवीडी कटरा से रवाना होकर 11 बजे श्रीनगर पहुंचेगी। यह ट्रेन बनिहाल स्टेशन पर रुकेगी। वापसी में ट्रेन दोपहर 2 बजे श्रीनगर से चलेगी और शाम 5 बजे कटरा पहुंचेगी।

वहीं, 28 जनवरी को ट्रेन सुबह 10:30 बजे कटरा से चलकर दोपहर 1:30 बजे श्रीनगर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04630 दोपहर 3 बजे श्रीनगर से रवाना होकर शाम 6 बजे एसएमवीडी कटरा पहुंचेगी।

जम्मू के डिवीजनल कमर्शियल मैनेजर उचित सिंघल ने बताया कि मौसम विभाग की चेतावनी और हालिया बर्फबारी से उत्पन्न हालात को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। स्पेशल ट्रेन से कश्मीर आने-जाने वाले यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है।

बुन्देलखंड में महिला सशक्तिकरण का मॉडल बना डेयरी व्यवसाय

एजेंसी | लखनऊ

बुन्देलखंड की तस्वीर अब तेजी से बदल रही है। कभी संघर्ष, सूखा और पलायन के लिए पहचाने जाने वाले इस क्षेत्र में अब महिलाओं की आर्थिक ताकत एक नई पहचान बना रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी विजन के तहत डेयरी वैल्यू चेन मॉडल ने बुन्देलखंड की हजारों ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भरता की राह पर खड़ा कर दिया है।

सात जिलों में फैली डेयरी क्रांति

चित्रकूट, झांसी, बांदा, हमीरपुर, जालौन, महोबा और ललितपुर में डेयरी व्यवसाय के जरिए 86 हजार से अधिक महिलाएं आज नियमित आय अर्जित कर रही हैं। दूध उत्पादन को संगठित स्वरूप देने से न केवल महिलाओं की आमदनी बढ़ी है, बल्कि पूरे क्षेत्र की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिली है।

'बालिनी' बनी महिलाओं की ताकत

महिला दुग्ध उत्पादकों द्वारा संचालित बालिनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी इस बदलाव की धुरी बनकर उभरी है। इस प्रोड्यूसर कंपनी के गठन से महिलाएं अब बिचौलियों की निर्भरता से मुक्त हो गई हैं। दूध और दुग्ध उत्पादों को सीधे बाजार तक पहुंच मिल रही है, जिससे उन्हें उचित मूल्य सुनिश्चित हो रहा है। डेयरी वैल्यू चेन परियोजना के तहत 952 गांवों में 3,600 स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को दूध संग्रह, गुणवत्ता परीक्षण और डिजिटल भुगतान जैसी सुविधाएं दी गई हैं। पारदर्शी व्यवस्था ने भरोसा बढ़ाया है और महिलाओं की आय में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित की है।

सिंगरौली में बड़ा हादसा: मिट्टी खदान धंसने से तीन लोगों की मौत, दो गंभीर घायल

जबलपुर। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। जियावन थाना क्षेत्र के परसोहर गांव में छुई (पोतने वाली मिट्टी) निकालने के दौरान मिट्टी की खदान अचानक धंस गई। इस हादसे में दो नाबालिग बच्चियों सहित तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप और मातम का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर करीब 1:20 बजे गांव की कुछ महिलाएं और बच्चियां रोजमर्रा की जरूरत के लिए खुरपी लेकर पास की छुई खदान में मिट्टी निकालने गई थीं। बताया जा रहा है कि खदान पहले से ही असुरक्षित स्थिति में थी।

ग्रामीणों और पुलिस ने चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन

मिट्टी धंसने की तेज आवाज और चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने बिना देर किए हाथों और औजारों से मिट्टी हटाकर लोगों को बाहर निकालने की कोशिश शुरू की। साथ ही पुलिस और सरपंच को सूचना दी गई।

'समाज सेवा मनुष्य जीवन का है महत्वपूर्ण दायित्व'

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि समाज सेवा मनुष्य जीपन का महत्वपूर्ण दायित्व है। हम जो सामाजिक कार्य करते हैं परमात्मा हमें उसका शुभ फल देता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को उज्जैन में स्वामीनारायण संस्था के ग्राम हासामपुरा स्थित शिव ज्ञान मोतीलाल नेत्र चिकित्सालय की तीसरी वर्ष गांठ में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि नेत्र ज्योति प्रदान करने वाला यह चिकित्सालय 3 वर्षों से सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। इस हॉस्पिटल के माध्यम से नागरिकों को आंखों के इलाज की सुविधा दी जा रही है। मरीजों के लिये डॉक्टर भगवान के स्वरूप होते है।

हिंद महासागर में भारत का बढ़ता वर्चस्व

स्पेन IPOI में शामिल, समुद्री सहयोग को मिली नई ऊंचाई

नई दिल्ली। भारत की कूटनीतिक और समुद्री सुरक्षा नीति को एक बड़ी मजबूती मिली है। स्पेन औपचारिक रूप से इंडो-पैसिफिक ओशन्स इनिशिएटिव (IPOI) में शामिल हो गया है। स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बेरेस ने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर को Declaration of Accession सौंपते हुए इस फैसले की घोषणा की। भारत ने स्पेन के इस कदम का स्वागत करते हुए इसे द्विपक्षीय संबंधों में एक अहम मील का पत्थर बताया है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, स्पेन के IPOI में शामिल होने से भारत और स्पेन के रिश्ते रणनीतिक साझेदारी की दिशा में और मजबूत होंगे। मंत्रालय ने कहा कि भारत एक स्वतंत्र, खुले और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लिए IPOI के तहत स्पेन के साथ मिलकर काम करने को उत्सुक है।

इंडो-पैसिफिक ओशन्स इनिशिएटिव भारत की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में समुद्री सहयोग को बढ़ाना है। इसके तहत समुद्री सुरक्षा, व्यापार और कनेक्टिविटी, पर्यावरण संरक्षण, आपदा राहत (HADR) और समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग सहित सात प्रमुख स्तंभ शामिल हैं।

आपदा राहत में भारत की अग्रणी भूमिका

विशेषज्ञों का मानना है कि स्पेन का IPOI में शामिल होना इस बात का संकेत है कि वैश्विक समुदाय भारत को एक जिम्मेदार और भरोसेमंद समुद्री शक्ति के रूप में स्वीकार कर रहा है। इससे हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा, व्यापार मार्गों की रक्षा और आपदा प्रबंधन में सहयोग और सशक्त होगा।

भरोसेमंद समुद्री शक्ति के रूप में भारत

भारत को हिंद महासागर क्षेत्र में कई देश Pre-ferred Security Partner के रूप में देखते हैं। भारतीय नौसेना ने बीते वर्षों में समुद्री सुरक्षा, गश्त और आपदा राहत अभियानों में अहम भूमिका निभाई है। वर्तमान में IPOI के साथ 25 से अधिक देश जुड़े हुए हैं, जो क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। स्पेन के अटलांटिक क्षेत्र में मजबूत नौसैनिक अनुभव का लाभ अब हिंद महासागर में भी मिलेगा। इससे समुद्री डकैती पर नियंत्रण, अहम चोक पॉइंट्स की सुरक्षा, संयुक्त प्रशिक्षण, समुद्री निगरानी और रक्षा तकनीक सहयोग को बल मिलेगा।